दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। बुधवार 02 जुलाई-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 193 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

प्रयागराज बवाल में एक्शन जारी

550 पर केस, भीम आर्मी के 54 नामजद, अब तक 75 अरेस्ट

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में करछना क्षेत्र के भड़ेवरा बाजार में रविवार को किए गए बवाल, तोड़फोड़ और आगजनी मामले में पुलिस ने भीम आर्मी के तहसील अध्यक्ष व उपाध्यक्ष समेत 54 नामजद और 550 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, 75 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें आठ नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम अन्य आरोपियों की पहचान कर लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस के अनुसार, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व भीम आर्मी के सह संस्थापक नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को रविवार को कौशाम्बी और करछना के इसौटा में जाने से रोका गया था। इस पर भीम आर्मी के करछना तहसील अध्यक्ष अभय सिंह उर्फ सोनू और उपाध्यक्ष प्रतीक देव वर्मन ने लगभग छह सौ लोगों के साथ भड़ेवरा बाजार में जमकर उत्पात मचाया था। पथराव व आगजनी में एसीपी करछना अरुण कुमार त्रिपाठी, भुंडा चौकी प्रभारी कैलाश और हेड कांस्टेबल जयशंकर पांडेय गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वहीं कई राहगीर, महिलाएं व बच्चे उपद्रव के दौरान घायल हुए। उपद्रवियों ने लाठी डंडे, ईंट-पत्थर के अलावा पेट्रोल बोतल का भी इस्तेमाल कर अराजकता फैलाने का काम किया। पुलिस के चार वाहन समेत दर्जनों चारपहिया व दोपहिया गाड़ियों को क्षतिग्रस्त व आग के हवाले कर दिया गया।

जिम्मेदारी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आईएएस अधिकारी राकेश कुमार सिंह यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया। आरके सिंह गाजियाबाद में जिलाधिकारी के पद पर कार्यरत रहे हैं। उनकी गिनती कुशल प्रशासक तथा जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण करने वाले अधिकारियों में होती है।

कांवड़ यात्रा में पुलिस वाले हो जाएंगे 'भोले'

पहली बार बीट कांस्टेबल और अफसर संभालेंगे कांवड़ यात्रा में सुरक्षा की कमान

हर 800 मीटर पर तैनात रहेगा एक उपनिरीक्षक

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कांवड़ यात्रा की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। अधिकारी मीटिंग कर रहे हैं। तो खुद पुलिस कमिश्नर से लेकर जिलाधिकारी सड़कों पर उतर कर हकीकत जान रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में दिल्ली-नोएडा पुलिस और गाजियाबाद के शीर्ष अधिकारियों की कोऑर्डिनेशन मीटिंग होनी है। तो वहीं पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सूत्रों से जानकारी मिली है कि इस बार पहली दफा गाजियाबाद पुलिस में कांवड़ यात्रा बीट पुलिस कांस्टेबल और बीट पुलिस अफसर

के द्वारा सुरक्षा की कमान संभाल ली जाएगी। इसके साथ ही हर 800 मीटर की दूरी पर एक उपनिरीक्षक और एक हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही बड़ी संख्या में सादे वस्त्रों में पुलिसकर्मी और कांवड़ भेष वाले पुलिसकर्मी भी अलग-अलग ड्यूटी पॉइंट पर तैनात किए जाएंगे। 12 जुलाई से सावन माह शुरू हो रहा है। तो कांवड़ यात्रा में 20 तारीख के आसपास भीड़ बढ़नी शुरू हो जाएगी। हालांकि अभी रूट डॉयवजन का प्लान फाइनल नहीं किया गया है।

वॉच टावर पर हथियारों से लैस रहेंगे पुलिसकर्मी

करंट क्राइम : एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी जो कांवड़ यात्रा को प्रमुखता से संभाल रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि कांवड़ रूट मार्ग पर लगभग 60 से अधिक वॉच टावर बनाए जाएंगे। जिनमें पुलिस कर्मियों की हर थानाक्षेत्र में ड्यूटी रहेगी। वॉच टावर पर तैनात रहने वाले पुलिसकर्मियों के पास दूरबीन, टॉर्च, हथियार और कंट्रोल रूम से कनेक्ट वायरलेस सिस्टम रहेंगे ताकि वह हर गतिविधि को लेकर अपडेट करते रहे हैं।

100 से अधिक पुलिसकर्मी धारण करेंगे भोले का भेष

करंट क्राइम : गाजियाबाद वाले सिस्टम के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक थानाक्षेत्र में दो ऐसे पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा, जो भोले के भेष में रहकर कांवड़ यात्रा के दौरान नजर रखने का काम करेंगे। तो किसी भी आपात स्थिति में स्थित कंट्रोल करने की जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर रहेगी। इसके लिए प्रत्येक थानों के दो ऐसे पुलिसकर्मी जो क्राइम कंट्रोल से लेकर नेटवर्किंग में एक्सपर्ट हैं उनको लगाया गया है। बताया जा रहा है यह कांवड़ ड्यूटी के दौरान ना तो दाढ़ी बनवाएंगे और ना ही पुलिस की वर्दी धारण करेंगे। यह कई महत्वपूर्ण इनपुट जुटाने का भी काम करेंगे।

सर्किल अफसर और थाना प्रभारी रोजाना कांवड़ मार्ग पर देंगे ड्यूटी

करंट क्राइम : कांवड़ यात्रा शुरू होने के दौरान प्रत्येक एसीपी स्तर के अधिकारी और थाना प्रभारी को भी फील्ड पर कांवड़ यात्रा में ड्यूटी देनी होगी। इसके लिए उनके क्षेत्र में आने वाले सभी महत्वपूर्ण पॉइंट्स पर एसीपी और थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ सुरक्षा की कमान संभालने का काम करेंगे।

शरारती तत्वों पर निगरानी रखेगी सोशल मीडिया सेल और कंट्रोल रूम

करंट क्राइम : मुख्यमंत्री और उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण द्वारा सभी कमिश्नर, पुलिस कप्तान और प्रमुख अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए निर्देश दिया गया है की कांवड़ यात्रा के दौरान किसी प्रकार की कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही सोशल मीडिया सेल के जरिए भी शरारती तत्वों पर निगरानी रखने का काम होगा ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी और दिक्कत ना आए।

सिटी जोन के नौ शातिर अपराधियों की खोली गई हिस्ट्रीशीट, 9 आरोपियों पर दर्ज हैं 56 मुकदमे

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में अपराधियों पर नकेल कसने और उनपर पकड़ मजबूत करने के लिए कमिश्नरेट पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देश पर डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल द्वारा 9 शातिर अपराधियों की हिस्ट्री शीट खोली गई है। बताया जा रहा है इन सभी नौ आरोपियों पर कुल 56 मुकदमे दर्ज हैं।

कमल से लेकर राहुल तक की खोली गई हिस्ट्रीशीट : डीसीपी सिटी जोन धवल जायसवाल ने जानकारी दी है कि थाना नंदग्राम के कमल और विमला उर्फ पंडितानी, थाना विजयनगर से अब्दुल कलाम, अभय उर्फ ओम पुरी, गुलजार सिद्दीकी को मधुबन बापूधाम से अमित उर्फ अनुज उर्फ पाल दीपक राजा शर्मा का अरविंद शर्मा और थाना सिहानी गेट के राहुल कुमार की हिस्ट्री शीट खोली गई है। इन सभी पर दो और उनसे अधिक मुकदमे दर्ज थे।

पांच विभागों को 20 दिन में पूरे करने हैं अधूरे काम

कांवड़ मार्ग पर कहीं है अंधेरा, तो कहीं टूटी सड़क और जलभराव

गाजियाबाद, करंट क्राइम : कांवड़ यात्रा को लेकर गाजियाबाद पुलिस-प्रशासन सामूहिक रूप से जुट गया है। तो वहीं पांच अन्य विभागों को भी इस पूरे मुख्य मार्ग को लेकर कई प्रकार की व्यवस्थाएं करनी हैं। बीते दिनों गाजियाबाद में सेक्टर अधिकारियों के साथ कांवड़ मार्ग का निरीक्षण और सत्यापन रिपोर्ट तैयार की गई है। जिसमें जानकारी है अगले 20 दिनों के भीतर गाजियाबाद के पांच प्रमुख विभाग जिसमें एनसीआरटीसी , जल निगम, गाजियाबाद नगर निगम, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ड्यूटी देते हुए लगभग 33 स्थानों पर महत्वपूर्ण कार्य करवाने हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर की गई बैठक में कई इंतजामों में निकली कमी

मुख्य कांवड़ मार्ग पर है कई जगह जलभराव की समस्या

करंट क्राइम : सूत्रों से मिली सूचना के अनुसार गंग नहर से ओएफएम गेट तक 3 किलोमीटर के मार्ग में जल भराव की समस्या है। तो मुरादनगर रैपिड रेलवे स्टेशन के नीचे भी यही हाल है। कृष्ण सागर होटल से लेकर आईटीएस चौकी लगभग 2 किलोमीटर का एरिया भी इसी समस्या से जूझ रहा है। तो वही ग्राम सीकरी कट से लेकर एसआरएम यूनिवर्सिटी तक 6 किलोमीटर का मार्ग भी खस्ता हाल है। तो कदराबाद से लेकर राज चौपला तक लगभग 6 किलोमीटर की स्थिति भी इसी तरह बताई जा रही है। वहीं पाइपलाइन फर्ररुखनगर मार्ग लगभग 20 किलोमीटर मार्ग की सड़क क्षतिग्रस्त है ,जहां जल ाराव और रेगुलेटर से लेकर चुंगी नंबर 20 तक का भी यही हाल बताया जा रहा है।

मेरठ रोड घूकना, वसुंधरा अंडरपास और यूपी गेट पर है अंधेरे का राज

करंट क्राइम : अधिकारियों द्वारा जो रिपोर्ट तैयार की गई है, उसमें नवयुग मार्केट से दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर यानी लगभग डेढ़ किलोमीटर के मार्ग पर प्रकाश की व्यवस्था ठीक नहीं है। तो वही एलटी चौराहे मेरठ रोड से लेकर घूकना मोड तक का 3 किलोमीटर का मार्ग भी इसी समस्या से ग्रस्त है। वसुंधरा अंडरपास से यूपी गेट चौकी तक वसुंधरा में 5 किलोमीटर के मार्ग पर सडक पर काम होना है। जिसके वजह से कांवड़ यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न ना होने पाए।

खुले पड़े हैं बिजली के पोल, सड़क में है जगह-जगह होल

करंट क्राइम : गौशाला अंडरपास से एबीएस कट राहुल विहार अंडरपास से मेरठ रोड तक कई जगह बिजली के तार खंबे खुले पोल पर हैं। तो घूकना कट से मेरठ मोड तक 93 खंबे खुले पाए गए हैं। वहीं वसुंधरा से लेकर यूपी गेट तक 308 खंभे अभी तक कवर नहीं किए गए हैं। वहीं डाबर से आनंद विहार वाले मार्ग पर भी यही हाल है। वहीं घूकना मोड दिल्ली मेरठ हाईवे पर भी 119 खंबे अभी सुरक्षा के लिहाज से फूल प्रूफ नहीं हैं। तो नवयुग मार्केट से दूधेश्वर नाथ की सड़क पर कई जगह गड्ढे हैं। उनको भरा जाना आवश्यक है। तो वहीं नागद्वार से हिंडन गोल चक्कर और पुलिस लाइन शास्त्री नगर तिराहा से कार्टे चौक शास्त्री नगर तक की सड़क पर गड्ढों वाला हाल है।

आगामी त्यौहारों को लेकर गाजियाबाद में लगाई गई धारा-163, बिना परमिशन के नहीं होंगे आयोजन

मोहर्रम, गुरु पूर्णिमा, श्रावण शिवरात्रि, हरियाली तीज, रक्षाबंधन, चेहल्लुम, 15 अगस्त और जन्माष्टमी को लेकर विशेष अलर्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में आगामी त्योहारों के मद्देनजर धारा-163 लगाई गई है। साथ ही शांति व्यवस्था कायम रखने और किसी प्रकार की गड़बड़ी ना हो, इसके लिए विभिन्न थानाक्षेत्रों में अलर्ट भी रहेगा। एडिशनल सीपी द्वारा जानकारी दी गई है कि 6 जुलाई को मोहर्रम है। तो 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का त्यौहार है। 23 को श्रावण मास की शिवरात्रि है।

27 जुलाई को हरियाली तीज है। तो 9 अगस्त को रक्षाबंधन का त्यौहार है। वहीं 14 अगस्त को चहल्लूम व 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस है जबकि 16 को जन्माष्टमी में और अन्य आयोजनों को देखते हुए गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में एक जुलाई से लेकर आगामी त्यौहारों तक निशेधज्ञा लगा दी गई है।

रैली, सम्मेलन, धरने, जुलूस की लेनी होगी परमिशन

करंट क्राइम : पुलिस के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि कोई भी व्यक्ति गाजियाबाद में बिना अनुमति के धरना ,सम्मेलन, रैली, जुलूस नहीं निकाल पाएगा। इसके साथ ही किसी भी स्थान पर बिना अनुमति के कोई कार्यक्रम नहीं होगा। वही सोशल मीडिया से लेकर प्रिंट मीडिया और एयर बैलून उड़ाने से लेकर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस प्रतिबंधित क्षेत्र में नहीं चलाए जा सकेंगे। वहीं कोर्ट द्वारा तय ध्वनि क्षमता का प्रयोग होगा।

हथियारों के प्रदर्शन और ज्वलनशील पदार्थ ले जाने पर रोक

करंट क्राइम : गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में धारा-163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 लागू की गई है। इसके तहत किसी भी सार्वजनिक स्थानों पर ज्वलनशील पदार्थ ले जाने और अस्त्र-शस्त्र, चाकू, भाला, छतरी, पिस्टल और तलवार नहीं ले जा सकेगा। साथ ही नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

हाउस टैक्स के निरस्तीकरण को निगम अधिकारी अपनी हार न समझें : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम गाजियाबाद की बोर्ड बैठक में बढ़ा हुआ संपति कर वापिस लेने का फैसला हो गया। जनप्रतिनिधियों के विरोध के कारण यह संभव हो सका है। माननीय सांसद, माननीय विधायक गण और माननीय मंत्री जी ने भी बोर्ड बैठक में उपस्थित होकर बढ़े संपत्ति कर के विरुद्ध अपने तर्क प्रस्तुत किए। इसे निगम के अधिकारी अपनी हार न समझें। ये जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है जो उनके जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रकट हुई है। कर लगाना या कर बढ़ाना सदैव अलोकप्रिय निर्णय होता है। लेकिन व्यवस्थाओं को के संचालन के लिए आवश्यक भी होता है। जो संस्था जितनी साधन सम्पन्न होती है, वह उतनी ही जनहित के कार्य करने

में सक्षम होती है। अधिकारी और सरकार सदैव नगर निगम, जिला पंचायत और गांव पंचायत जैसी स्वशासी संस्थाओं को सक्षम बनाने के लिए साधन बढ़ाने के टैक्स बढ़ाने के सुझाव देते हैं। कितनी अजीब बात है, वही सरकार जब अपना बजट पेश करती है तो कोई नया कर नहीं लगाया या कोई कर नहीं बढ़ाया को अपनी उपलब्धि के रूप में पेश करती है। दूसरी ओर इन संस्थाओं पर कर बढ़ाने का दबाव बनाती है। कल जो नगर निगम के बोर्ड द्वारा निर्णय लिया गया है वह शासन को जाएगा और शासन में बैठे अधिकारी फिर इसमें इफ बट्स लगाकर बोर्ड निर्णय को निष्प्रभावी करने का प्रयास करेंगे।

विद्वानों ने भारत में आदर्श कर व्यवस्था का वर्णन करते हुए बताया गया है कि जैसे सूर्य धरती से जल जब सोखता है तो किसी को सोखने का आभास नहीं होता और जब उसी जल को बादल के रूप में परिवर्तित करके बरसता है तो मिलने का आभास होता है। आमदनी बढ़ाने का एक मात्र विकल्प टैक्स बढ़ाना नहीं है। अपने खर्चों में कमी करना भी एक अच्छा विकल्प है। आय के गैरपरंपरागत साधन विकसित करना भी एक सुंदर विकल्प हो सकता है। लेकिन ऐसे विकल्प खोजना उनके लिए मानस तैयार करना स्वयं में श्रमसाध्य कार्य है । कोई अधिकारी ऐसा करना पसंद नहीं करता। परम्परागत साधनों का उपयोग अधिकारी के रिस्क को भी कम कर देता है। कितने आश्चर्य की बात है कि लखनऊ में बैठे अधिकारी नगर निगम को मिलने वाली ग्रांट को बिना कमीशन दिलाना तो सुनिश्चित नहीं करा सकते लेकिन बोर्ड के निर्णय को पलटने के कई रास्ते खोजने में जुट जाएंगे। मुझे नहीं पता कि कितने लोगों को ज्ञात है कि सीवर की सफाई का ठेका, कूड़ा कलेक्शन और उसके चार्जिज वसूलने के ठेकों का निर्णय भी लखनऊ में ही लिए गए हैं।निगम के अधिकारों में कटौती और दायित्वों के निर्वाह में हस्तक्षेप 84 वें संविधान संशोधन में दिए गए अधिकारों का अतिक्रमण है।

नगर नगम गाजियाबाद की बोर्ड बैठक में बढ़ा हुआ संपति कर वापिस लेने का फैसला हो गया। जनप्रतिनिधियों के विरोध के कारण यह संभव हो सका है। माननीय सांसद, माननीय विधायक गण और माननीय मंत्री जी ने भी बोर्ड बैठक में उपस्थित होकर बढ़े संपत्ति कर के विरुद्ध अपने तर्क प्रस्तुत किए। इसे निगम के अधिकारी अपनी हार न समझें। ये जनभावनाओं की अभिव्यक्ति है जो उनके जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रकट हुई है।

विद्वानों ने भारत में आदर्श कर व्यवस्था का वर्णन करते हुए बताया गया है कि जैसे सूर्य धरती से जल जब सोखता है तो किसी को सोखने का आभास नहीं होता और जब उसी जल को बादल के रूप में परिवर्तित करके बरसता है तो मिलने का आभास होता है। आमदनी बढ़ाने का एक मात्र विकल्प टैक्स बढ़ाना नहीं है। अपने खर्चों में कमी करना भी एक अच्छा विकल्प है।

कितने आश्चर्य की बात है कि लखनऊ में बैठे अधिकारी नगर निगम को मिलने वाली ग्रांट को बिना कमीशन दिलाना तो सुनिश्चित नहीं करा सकते लेकिन बोर्ड के निर्णय को पलटने के कई रास्ते खोजने में जुट जाएंगे।

केंद्र ने कई योजनाओं को दी मंजूरी

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को हरी झंडी

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने देश में रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने 1.07 लाख करोड़ रुपये के एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव (ईएलआई) स्कीम को मंजूरी दे दी है। यह योजना खासतौर पर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर फोकस करेगी। सरकार का मानना है कि इन योजनाओं से देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती मिलेगी और शोध को भी बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि इस योजना के दो हिस्से होंगे। पहला हिस्सा उन लोगों के लिए होगा जो पहली बार रोजगार शुरू कर रहे हैं। वहीं, दूसरा हिस्सा लगातार रोजगार देने वाली कंपनियों को समर्थन देने के लिए होगा। इसके अलावा सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपये के रिसर्च डेवलपमेंट और इनोवेशन स्कीम, राष्ट्रीय खेल नीति 2025 और

परमकुडी-रामनाथपुरम नेशनल हाईवे के चार लेन बनाने के लिए 1,853 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी है।

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना : सरकार ने मंगलवार को रोजगार सृजन, कौशल बढ़ाने और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत 1.07 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसका विशेष फोकस निर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र पर रहेगा।

यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इस बारे में जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। इस योजना का उद्देश्य दो वर्षों में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नए रोजगार के अवसर सृजित करना है। इसके साथ ही, योजना के अंतर्गत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए 3,000 प्रति माह तक की प्रोत्साहन राशि दो वर्षों तक दी जाएगी।यह प्रोत्साहन उन नियोक्ताओं को मिलेगा जो ऐसे कर्मचारियों को नियुक्त करेंगे जिनका वेतन 1 लाख रुपए प्रतिमाह तक है। निर्माण क्षेत्र के लिए यह प्रोत्साहन तीसरे और चौथे वर्ष तक भी जारी रहेगा।

शोध और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़

सरकार ने देश में शोध, नवाचार और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए बड़े फैसले लिए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को जानकारी दी कि केंद्रीय कैबिनेट ने रिसर्च डेवलपमेंट और इनोवेशन स्कीम को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत देश में शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस योजना के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है।

राजधानी दिल्ली में कृत्रिम बारिश की तैयारियां तेज

बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए कितनी कारगर है यह तकनीक

नई दिल्ली। भारत में पहली बार कृत्रिम बारिश कराए जाने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसकी शुरूआत के लिए देश की राजधानी दिल्ली को चुना गया है। बताया गया है कि दिल्ली सरकार 4 जुलाई से 11 जुलाई के बीच कृत्रिम वर्षा का ट्रायल करने की मंजूरी दे सकती है। दिल्ली की भाजपा सरकार में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के मुताबिक, इसके जरिए दिल्ली की दूषित हवा को साफ करने की संभावनाओं को तलाशा जाएगा।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराने से जुड़ी पूरी योजना क्या है? इसे कैसे और किस तकनीक के जरिए कराया जाएगा? यह तकनीक कितनी प्रभावी है और इसकी चुनौतियां क्या हैं? दुनिया के किन देशों में कृत्रिम बारिश कराई जा चुकी है और इसका नतीजा क्या रहा है? आइये जानते हैं...

दिल्ली में बीते कई साल से प्रदूषण का प्रकोप दर्ज किया जा रहा है। खासकर मानसून सीजन के खत्म होने और ठंड के मौसम के दौरान दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक काफी

ऊपर रहता है। दिल्ली की हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 (पीएम यानी पर्टिकुलेट मैटर) कणों की संख्या बढ़ जाती है, जो कि श्वास नली के जरिए लोगों के शरीर में घुसकर उन्हें बुरी तरह प्रभावित करता है। इन परिस्थितियों के मद्देनजर दिल्ली में लोगों की सुरक्षा के लिए सरकार को ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करना पड़ता है। प्रदूषण को कम करने और लोगों को बचाने की इस योजना को प्रदूषण की गंभीरता के आधार पर चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाता है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण की इसी समस्या से निपटने के लिए कृत्रिम वर्षा कराने की योजना बनाई गई। हालांकि, इसके बारे में पहली बार जिक्र आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के दौरान किया गया था। 2023 में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने केंद्र सरकार को एक चिट्ठी लिखकर मांग की थी कि क्षेत्र में कृत्रिम वर्षा कराने की अनुमति दी जाए। राय ने आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों और केंद्रीय एजेंसियो के अधिकारियों की एक बैठक भी बुलाने की मांग की थी।

दिल्ली में इस साल भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही प्रदूषण खत्म करने के लिए कृत्रिम वर्षा को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। खुद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इससे जुड़े एलान किए। हालांकि, अब दिल्ली में कृत्रिम वर्षा कराने को लेकर संभावित तारीखों का भी एलान कर दिया गया है।

जब असक्रिय बादलों पर केमिकल डाला जाता है तो वातावरण में मौजूद जलीय वाष्प (वॉटर वेपर्स) छोटे-छोटे कणों के आसपास जमा हो जाते हैं और बूंदों के तौर पर इकट्ठा होते हैं। यानी यह नमक के कण इन बूंदों के लिए एक अतिरिक्त न्यूक्लियस (केंद्र) का काम करते हैं।

इस न्यूक्लियस की खासियत यह होती है कि यह एक के बाद एक वाष्प को बूंदों के तौर पर अपने पास इकट्ठा कर लेता है। यह बूंदें जैसे-जैसे बढ़ती हैं और भारी होती हैं, वैसे ही इनका टकराव बढ़ता है। इसी कारण बादल सक्रिय होते हैं और बारिश होती है।

इस पूरी प्रक्रिया में एक बाद गौर करने वाली यह भी है कि क्लाउड सीडिंग से बारिश पैदा नहीं की जाती, बल्कि बादलों की सक्रियता को बढ़ाया जाता है।

राजा जी हवेली में घुसी बेकाबू कार, 4 को रौंदा

प्रेमिका को बर्थ-डे विश करने आए युवक की मौत

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। नेशनल हाईवे से अचानक एक कार बेकाबू होकर होटल में घुस गई। कार ने चार लोगों को रौंद दिया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि प्रेमिका समेत तीन लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, हापुड़ जिले के थाना बाबूगढ़ इलाके के कुचेसर रोड़ चौपला स्थित राजा जी हवेली में यह घटना सोमवार रात साढ़े दस बजे हुई है।

बुलंदशहर जिले के फरादपुर का रहने वाला युवक बाइक से प्रेमिका का बर्थडे विश करने के लिए होटल में पहुंचा था।

इसी दौरान हाईवे से एक बेकाबू कार होटल में घुस गई। यहां कुर्सी पर बैठे प्रेमी-प्रेमिका समेत चार लोगों को बेकाबू कार ने रौंद दिया। हादसे में प्रेमी

अजितपाल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि प्रेमिका समेत दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

हादसे के बाद कार चालक फरार हो गया। मृतक दिल्ली जल बोर्ड में संविदा पर नौकरी करता है। वह सोमवार शाम पांच बजे मां को घर से बताकर आया था कि वह युवती की बर्थ-डे पार्टी में शामिल होने जा रहा है। मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए हैं। परिजनों ने मामले में हत्या की आशंका भी जाहिर की है। मृतक युवक तीन बहनों में अकेला था।

प्रेमिका गढ़मुक्तेश्वर इलाके की रहने वाली बताई जा रही है। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर उसकी जांच शुरू कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक कदम

पहली बार स्टाफ के लिए हुई आरक्षण नीति लागू

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 75 साल के इतिहास में पहली बार स्टाफ के लिए आरक्षण नीति लागू की है। इसके तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को सुप्रीम कोर्ट के गैर न्यायिक पदों पर नियुक्तियों और प्रमोशन में आरक्षण का लाभ मिलेगा।

गैर न्यायिक पदों पर लागू हुआ आरक्षण : सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण नीति 23 जून 2025 को लागू हुई। यह भारत के सर्वोच्च न्यायालय में प्रशासनिक कामकाज में बड़े बदलाव का संकेत है। हालांकि जजों पर आरक्षण लागू नहीं होगा और सिर्फ रजिस्ट्रार, वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट सहायक, चैंबर अटेंडेंट आदि पदों पर आरक्षण लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट में

आरक्षण के तहत तीन कैटेगरी होंगी, जिनमें एससी, एसटी और गैर आरक्षित शामिल होंगी।

सुप्रीम कोर्ट ही क्यों अपवाद रहे? : आरक्षण लागू करने को लेकर मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि अगर सभी सरकारी संस्थानों और विभिन्न उच्च न्यायालयों में आरक्षण नीति लागू है तो फिर सुप्रीम कोर्ट को ही क्यों अपवाद रखा जाए?

'मैं पढ़ना चाहती हूं, फीस देना मुश्किल'

सीएम योगी ने कहा- खूब पढ़ो बिटिया, तुम्हारी फीस की व्यवस्था हम करेंगे

गोरखपुर। कोतवाली क्षेत्र के पुरदिलपुर की रहने वाली कक्षा सात की छात्रा पंखुड़ी त्रिपाठी के लिए नए शैक्षिक सत्र का पहला दिन (एक जुलाई) आजीवन यादगार बन गया। फीस न दे पाने की स्थिति में इस बिटिया की पढ़ाई छूटने की नौबत आ गई थी लेकिन मंगलवार को जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात होते ही पढ़ाई में आड़े आ रही आर्थिक बाधा दूर हो गई। मुख्यमंत्री ने पंखुड़ी को भरोसा दिया कि उसकी पढ़ाई नहीं रुकेगी। वह या तो फीस माफ करवाएंगे या फिर फीस की खुद व्यवस्था कराएंगे। यही नहीं, सीएम योगी ने साथ फोटो खिंचाने की उसकी इच्छा भी पूरी की। मुख्यमंत्री की सहृदयता से भावविभोर पंखुड़ी ने कहा-महाराज जी जैसा कोई नहीं है।

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे थे। समस्याओं के निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देशित कर रहे थे। मुलाकात करने वाले लोगों की कतार में कक्षा सात में पढ़ने वाली कोतवाली इलाके के पुरदिलपुर की रहने वाली बच्ची पंखुड़ी त्रिपाठी भी बैठी थी।

मुख्यमंत्री जब पंखुड़ी के पास पहुंचे तो उन्हें प्रार्थना पत्र देते हुए पंखुड़ी बोल पड़ी।

बाबा बर्फानी के दर्शन को रह गए दो दिन शेष

अमरनाथ यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में, एलजी और सीएम ने संभाली कमान

श्रीनगर। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए महज दो दिन और शेष हैं। श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा तक पहुंचाने और बाबा अमरनाथ के सुगम दर्शन कराने के लिए उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने पूरी ताकत झोंक दी है। दोनों यात्रा मार्ग पहलगाम और बालटाल पर तीर्थ यात्रियों को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए सुरक्षा एवं सुविधाओं का जायजा लेने के लिए रोजाना मंत्री और अधिकारी पहुंच रहे हैं।

व्यवस्था में रत्ती भर भी कमी न रह जाए इस पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षा की दृष्टि से पहली बार एहतियातन हेलिकाप्टर सेवा बंद कर दी गई है।अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू हो रही है जो रक्षाबंधन के दिन नौ अगस्त को समाप्त होगी। एलजी मनोज सिन्हा पिछले एक सप्ताह में तीन बार पहलगाम और बालटाल रूट पर पड़ने वाले बेस कैंपों का खुद मौके पर निरीक्षण कर चुके हैं। अभी रविवार को ही उन्होंने दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग में नुनवन और चंदनबाड़ी बेस कैंप का दौरा किया था।

श्रीनगर में डटे मुख्यमंत्री, तैयारियों पर खुद रख रहे हैं नजर : वहीं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला तीर्थयात्रा की शुरूआत होने तक श्रीनगर में जमे हुए हैं। उनके निर्देश पर रोजाना प्रदेश सरकार का कोई न कोई मंत्री और प्रमुख शीर्ष अधिकारी दोनों मार्गों पर सुविधाओं का जायजा लेने पहुंच रहे हैं। रविवार को जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण और जनजातीय मंत्री जावेद अहमद राणा और स्वास्थ्य निदेशक जहांगीर पहुंचे थे। दोनों लोगों ने बारी-बारी से एक-एक सुविधा की बारीकी से निगरानी की। सुनिश्चित किया कि बाबा बर्फानी के भक्तों की सुविधा में कहीं कोई कसर न रह जाए।

पहलगाम हमले के बाद केंद्र सरकार सतर्क, सुरक्षा पर विशेष ध्यान : थल सेनाध्यक्ष कर चुके हैं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षाहाल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर बाबा बर्फानी के दर्शन को पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार भी काफी सतर्क है। इसीलिए थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी यात्रा से संबंधित सुरक्षा संबंधी तैयारियों की समीक्षा करने 21 जून को कश्मीर पहुंचे थे। सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही उन्होंने यात्रा से जुड़ी तैयारियों का पूरा जायजा लिया।

इस दौरान किसी दैवीय आपदा से श्रद्धालुओं को बचाने के लिए जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन विभाग ने पहलगाम में एक मॉक ड्रिल का भी आयोजन किया था।

इस अभ्यास में ग्लेशियर फटने से आने वाली बाढ़ (जीएलओएफ) जैसी आपदा से बचने का तरीका दिखाया गया था।

मौसम ने बरपाया कहर, बादल फटने से करसोग-गोहर में 16 लोग लापता

शिमला/मंडी/हमीरपुर/धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में जगह-जगह बादल फटने से भारी तबाही हुई है। प्रदेश में सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक मूसलाधार बारिश कहर बनकर बरसी। मंडी जिले के गोहर, करसोग व धर्मपुर क्षेत्र बादल फटने से अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। 16 अभी तक लापता बताए जा रहे हैं। 117 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। बादल फटने से 18 घर, 12 गोशालाएं क्षतिग्रस्त हैं। 30 मवेशियों की मौत हो गई। प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि मंडी में आठ जगह बाद फटने की घटनाएं सामने आई हैं। प्रारंभिक आकलन में 500 करोड़ नुकसान की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। गोहर उपमंडल के स्यांज में नौ लोग लापता हैं।

सराज क्षेत्र के बाड़ा में दो और तलवाड़ा में तीन लोग लापता हैं। बाड़ा

में चार और तलवाड़ा में एक बच्ची को रेस्क्यू किया गया है। मंडी शहर के विभिन्न स्थानों से 11 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है। धर्मपुर के त्रियांबला में दो घर व पांच गोशालाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं। 26 मवेशियों की मौत हो गई। भदराणा में चार घर व तीन गोशालाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। डीसी मंडी अपूर्व देवगन बाड़ा और तलवाड़ा सहित क्षेत्र में हालात का जायजा ले रहे हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं।

सात लोग सैलाब में बह गए : करसोग में पानी के तेज बहाव के बीच फंसे लोग मदद और बचाव को चिल्लाते रहे। धर्मपुर क्षेत्र में भी बादल फटा है। शरण गांव में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। सिराज के बगस्याड़ समेत पूरे इलाके में बादल फटने से कई घर, गाड़ियां पानी और मलबे में दब गए। गोहर उपमंडल के स्यांज नाले में बना एक घर फ्लैश फ्लड में बह गया। यहां पर मां बेटी को बचा लिया गया,

लेकिन सात लोग सैलाब में बह गए हैं। लापता लोगों की पहचान पदम सिंह (75) पुत्र देवी सिंह गांव बागा. देवकू देवी (70) पत्नी पदम सिंह गांव बागा, झाबे राम (50) पुत्र गोकुलचंद पंगलयूर, पार्वती देवी (47) झाबे राम पंगलयू, सुरमि देवी (70) पत्नी स्वर्गीय गोकुलचंद, इंद्र देव (29 पुत्र) झाबे राम, उमावती (27) पत्नी इंद्रदेव, कनिका 9 पुत्री इंद्रदेव, गौतम (7) पुत्र इंद्रदेव, के रूप में हुई है।

मंडी में शिक्षण संस्थान बंद : संस्थान बंद रखने का निर्णय लिया है। बाखली खड्ड पर 2008 में बना 16 मेगावाट का पटिकरी पावर प्रोजेक्ट तबाह हो गया है। फिलहाल पावर हाउस में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। गत रात्रि से जारी भारी बारिश एवं भूस्खलन तथा अधिकांश सड़क मार्ग बाधित होने इत्यादि के कारण पैदा हुई परिस्थितियों के मद्देनजर जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत मंडी जिला प्रशासन ने 1 जुलाई को मंडी जिला के अंतर्गत सभी स्कूल व अन्य शैक्षणिक रेस्क्यू किया।

किन्नौर जिले के रकछम गांव के पास खरोगला के पीछे बादल फटने से भारी ताबाही हुई है।

सुजानपुर के खैरी में ब्यास का जलस्तर से पानी की जद में घर, 35 से 40 लोग किए रेस्क्यू : सुजानपुर के खैरी में ब्यास का जलस्तर बढ़ने से 5 से 7 घर पानी के जद में आ गए हैं। 4:30 के करीब सुबह स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन को दी।

इसके बाद यहां पर पंडोर डैम से पानी को बंद करवाया गया। सुजानपुर पुलिस सड़क बंद होने की वजह से मौके पर नहीं जा पाई जिसके चलते जंगल बेरी बटालियन पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू किया हालांकि पानी का जलस्तर बेहद अधिक था ऐसे में दम से जब पानी कम हुआ तो 8:00 बजे के करीब पुलिस टीम और प्रशासन ने 40 लोगों को

दिल्ली में पुराने वाहनों को फ्यूल नहीं

पुलिस ने दो बाइक की जब्त, पेट्रोल पंपों पर टीमें तैनात

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आज से अपनी उम्र पूरी कर चुके वाहनों को पेट्रोल-डीजल देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने एक पेट्रोल पंप से दो एंड-ऑफ-लाइफ वाहन (ईएलवी) जब्त किए हैं। राजधानी के पेट्रोल पंपों पर एआई कैमरे और यातायात पुलिस को तैनात किया गया है। परिवहन विभाग ने अपने संगठन, दिल्ली पुलिस, यातायात पुलिस और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मियों को शामिल करते हुए एक तैनाती योजना तैयार की है। ट्रैफिक इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने कहा कि यहां से दो मोटरसाइकिल जब्त की गई है। दिशा-निदेशों के अनुसार, हम इन्हें पंजीकृत वाहन स्क्रैपर को सौंप देंगे। इसके बाद, वाहन के मालिक को नियमों के अनुसार स्क्रैप मूल्य दिया जाएगा।

उम्र पूरी कर चुके वाहनों को ईंधन नहीं दिए जाने पर आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि क्या उनके पास पुराने

वाहनों को रोकने का कोई और तरीका नहीं था? अब जबकि मानसून दिल्ली में आ गया है, तो क्या वे कृत्रिम बारिश के लिए कोई पायलट प्रोजेक्ट चलाएंगे? आपने (भाजपा) छोटे-मोटे गड्ढे तो भर दिए, लेकिन बड़े गड्ढों को वैसे ही छोड़ दिया। वे नहीं जानते कि सरकार कैसे चलानी है।

वायु प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों को अपनी निर्धारित उम्र पूरा कर चुके वाहनों को पेट्रोल और डीजल नहीं देने का निर्देश दिया है। इसे लागू करने के लिए परिवहन विभाग ने दिल्ली पुलिस, यातायात पुलिस और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मियों को शामिल करते हुए एक विस्तृत योजना तैयार की है।

इसके तहत दिल्ली पुलिस के जवान 1 से 100 नंबर वाले पेट्रोल पंपों पर तैनात रहेंगे, जबकि परिवहन विभाग 101 से 159 नंबर वाले ईंधन स्टेशनों पर 59 विशेष टीमें तैनात करेगा।

नगर निगम की उदासीनता के चलते हजारों लीटर पानी सड़कों पर बहा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एक ओर नगर निगम के अधिकांश क्षेत्रों में पेयजल संकट बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर पेयजल योजनाओं की देखरेख और रखरखाव को लेकर नगर निगम की उदासीनता भी लोगों की परेशानी बढ़ा रही है।वसुंधरा सेक्टर 15 में नगर निगम के भूमिगत जल भंडार (अंडरग्राउंड वॉटर रिजर्वर) में मंगलवार तड़के सड़क पर बहने के कारण गंगाजल की खूब बबार्दी हुई। जबकि बाहर नगर निगम द्वारा दीवारों पर पेंटिंग कर जल ही जीवन है का ढिंढोरा पीटा जा रहा है।

वहीं इसी इलाके के लोग पानी को लेकर तरस रहे है क्योंकि लोगों के पीने का पानी सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा है। बावजूद इसके विभाग लापरवाह बना हुआ है। कई बार उपभोक्ता पेयजल संकट के चलते नगर निगम के खिलाफ धरना-प्रदर्शन

तक कर चुके हैं। जानकारी के अनुसार नगर निगम के भूमिगत जल भंडार की पाइपलाइन फट जाने से हजारों लीटर पानी सड़कों पर बहा। वही सड़कों पर पानी के बहते रहने से आम लोगों को सड़क पर चलने में खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। जब यह पीने का साफ पानी नाले में गिरना शुरू हुआ तो एक तरह से झरने का नजारा बन गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम अच्छी तरह से जानता है कि पानी की कीमत अमूल्य है और इसे हर हाल में बचाना जरूरी है। एक स्थानीय निवासी ने दूरभाष के माध्यम से नगर निगम के एरिया इंस्पेक्टर राजू को इसकी सूचना दी है। जानकारी के बाद राजू स्थल पर पहुंचे और पानी की इस बर्बादी को रुकवाने की व्यवस्था की।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। बुधवार 02 जुलाई -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

भले ही निकली निगम में प्रस्ताव के निरस्त वाली झांकी है
हालात बता रहे हैं कि पिक्चर अभी बाकी है

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम में विशेष बोर्ड बैठक हुई और सीन में राजस्व की जंग है। शासन में मामला है और शासन कभी भी राजस्व वाले सीन में तंग नहीं होना चाहता। जिलों में कलक्टर का काम ही राजस्व का कलेक्शन करना है और इस कलेक्शन के लिये अलग-अलग विभाग अपने-अपने तरीके से कलेक्शन करते हैं। कोई सड़क पर खड़ा होकर राजस्व के लिये काम करता है, इनमें परिवहन विभाग से लेकर जीएसटी के लोग शामिल हैं और राजस्व का एक काम बंद कमरे में नीतियों से तय होता है।

ये राजस्व का तरीका है। वहीं दूसरी तरफ ये कहा जा रहा है कि राजस्व कोई पहली बार लागू नहीं हुआ है और कोई पहली बार वसूला भी नहीं जा रहा है, लेकिन लोकहित को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। उदाहरण दिया जा रहा है प्राचीन काल में राजा भी लगान के जरिये टैक्स लगाते थे और तब भी लगान को लेकर ये बात रहती थी कि उसकी मात्रा कितनी होनी चाहिए मगर, नगर निगम में तो दस गुणा तक टैक्स बढ़ गया और इस टैक्स के विरोध में पार्षद आ गए और फिर बढ़े हुए टैक्स के विरोध में बोर्ड बैठक हुई और बोर्ड बैठक में टैक्स बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव निरस्त हो गया।

पार्षद खेमे से लेकर सांसद खेमे तक जय-जयकार होने लगी, लेकिन सूत्र बताते हैं कि ज्यादा उत्साहित होने से बचना होगा। वो बता रहे हैं कि जो प्रस्ताव इस बोर्ड बैठक में निरस्त हुआ है वो कोई नई बात नहीं है, क्योंकि इससे पहले भी ये प्रस्ताव निरस्त हो चुका है। सूत्र बता रहे हैं कि बोर्ड बैठक में प्रस्ताव के निरस्त होने को अंतिम सत्य नहीं मान लिया जाना चाहिए और सूत्र बता रहे हैं कि पिक्चर अभी बाकी है।

पिछले सात अक्टूबर में भी हुआ था प्रस्ताव निरस्त

करंट क्राइम। प्रस्ताव के निरस्त होने की कहानी को पहले वाली हिस्ट्री से जोड़ा जा रहा है। इससे पहले भी 9 अक्टूबर 2024 को विशेष बैठक हुई थी और इसी नगर निगम की इसी सदन की बैठक में प्रस्ताव निरस्त हुआथा। उस बैठक में भी कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी मौजूद थे और तब भी एक क्लॉज यह था कि इस फैसले से शासन को अवगत कराया जाये। खास बात ये है कि तब भी नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक थे और 30 जून 2025 को जब विशेष बोर्ड बैठक हुई और प्रस्ताव निरस्त हुआ तो तब भी नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक थे और इस बैठक में भी कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा मौजूद हैं, मुरादनगर विधायक मौजूद हैं और इस बार सांसद अतुल गर्ग और शहर विधायक संजीव शर्मा भी मौजूद हैं। कहने वाले यही कह रहे हैं कि अगर प्रस्ताव तब निरस्त हो गया था तो फिर अब क्या निरस्त हो रहा है। इस कहानी को समझने के लिये फ्लेशबैक में जाना होगा। 2024 में जब प्रस्ताव निरस्त हो गया तो इस प्रस्ताव को निगम प्रशासन ने शासन को भेजा। उससे पहले की कहानी 2022 से जुड़ी है। 2022 में तत्कालीन नगरायुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने डीएम सर्किल रेट पर हाउस टैक्स लागू करने का प्रस्ताव दिया। पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया और तब भी पार्षदों ने उनसे डाटा मांगा और तब भी ये प्रस्ताव शासन को भेजा गया। बताया जाता है कि शासन ने इस प्रस्ताव पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया क्योंकि शासन सरकार की मंशा के अनुरूप चल रहा था। सरकार के काम जनता के बीच मैसेज देना भी होता है और जब प्रस्ताव जनता के हित में ना हो तो फिर यही होता है।

उस समय शासन ने तय किये थे तीन मानक

करंट क्राइम। कहानी राजस्व से है और यहां पर बताया ये जाता है कि उस समय शासन से ये निर्देश मिले थे कि सेक्शन 104(ख) नगर निगम एक्ट 2000 तथा 2013 के नियम 4-क, 4-ख, के अनुसार नगर आयुक्त को जो अधिकार प्राप्त हैं उसके अनुसार वो न्यूनतम किराया दर तय करें। इसके लिये दरों का मानक तय करने के तीन फॉर्मूले बताए गए। सबसे पहला फॉर्मूला यह था कि डीएम सर्किल रेट तय किया जाए। दूसरा फॉर्मूला यह था कि बाजार में प्रचलित किराये दर के हिसाब से तय किया जाए और तीसरे फॉर्मूले में अन्य कारण बताए थे और अन्य कारण तय करने का अधिकार बोर्ड को दिया गया। जिसमें कहा गया है कि बोर्ड जो तय करे। तीनों में से जो भी कम हो उसे लागू करने की बात थी। वर्ष 2022, वर्ष 2023 आया और यही निर्देश रिपीट हो गए। तब जो बैठक हुई थी उसमें यह तय हुआ था कि प्रत्येक दो वर्ष में किराया बढ़ना था और इसे बजट बैठक बताया गया था।

तब भी हुई थी प्रतिशत में किराया बढ़ाने की बात, नहीं थी गुणा में वृद्धि की बात

करंट क्राइम। वर्ष 2023 में जो बैठक हुई वो बजट बैठक थी और सूत्र बताते हैं कि इस बैठक में भी दस प्रतिशत हाउस टैक्स दो वर्ष के लिये बढ़ाया गया था। तब भी हाउस टैक्स में वृति प्रतिशत में थी और गुणा में वृद्धि की कोई बात नहीं थी। यह एक अप्रैल 2023 से लागू होना था और 31 मार्च 2025 तक यह जारी रहना था।

जब अखबारों में विज्ञापन आया तो मामला सामने आया

करंट क्राइम। सूत्र बताते हैं कि दस प्रतिशत वृद्धि की बात थी, समय तय हो गया था लेकिन 9 जनवरी 2024 को समाचार पत्रों में एक विज्ञापन नगर निगम की ओर से आया। इसमें बताया गया कि डीएम सर्किल रेट की दरें एक अप्रैल 2024 से लागू की जाती है। इस विज्ञापन के बाद पता चला कि 2023 में जो शर्तें रखी गई थीं वो इस फॉर्मेट से गायब हैं। जब ये विज्ञापन आया तो नगर निगम की नई कार्यकारिणी ने इसे रिजक्ट कर दिया और कहा कि जब पिछला सदन दस प्रतिशत टैक्स बढ़ा चुका है तो अब यह हमें स्वीकार नहीं है। इसके बाद नगर निगम ने नई दरों पर नई सम्पत्ति पर नया फॉर्मूला लागू किया। फिर जो शोर मचा वो अभी तक मच रहा है।

सदन में है वार्ड मगर, अभी बाकी है जजमेंट ऑफ मी-लॉर्ड

करंट क्राइम। सूत्र बताते हैं कि कहानी डीएम सर्किल रेट निरस्त होने के बाद शुरू हुई और तब भी मंत्री-विधायक बैठक में थे और स्थिति एक बार फिर वही बन गई, तब भी प्रस्ताव निरस्त हुआ और अब भी प्रस्ताव निरस्त हुआ, लेकिन कहानी में अभी मी-लॉर्ड बाकी हैं। वो बता रहे हैं भले ही सदन में निरस्त वाली झांकी निकली है, लेकिन पिक्चर बाकी है और जजमेंट तो मी-लॉर्ड को ही बताना है। 29 जुलाई की तारीख इस मामले में अहम है। क्योंकि 29 जुलाई को अदालत में इस केस की सुनवाई होनी है। इसलिये कहानी में कोई भी मोड आ सकता है। मामला कोर्ट में है और जाहिर है कि नगर निगम के अधिकारी भी अपना पक्ष रखने के लिये कोर्ट में पूरी तैयारी के साथ पहुंचेंगे, तो पिक्चर 29 जुलाई तक बाकी है। क्योंकि अभी पूरा मामला कोर्ट के फैसले पर टिका है।

पूर्व पार्षद कर रहे हैं बोर्ड बैठक की मिनट्स बुक का इंतजार

करंट क्राइम। सूत्र बताते हैं कि कहानी एण्ड नहीं हुई है। दोनों ही पक्ष तैयारियों के साथ हैं और जहां कहानी में कोर्ट वाला मोड आ रहा है वहीं बताया ये भी जा रहा है कि जिन पूर्व पार्षदों ने सबसे पहले मोर्चा खोला था उनकी तरफ से प्रस्ताव निरस्त होने के बाद भी सीज फायर का ऐलान नहीं हुआ है। सूत्र बताते हैं कि पूर्व पार्षद 30 जून वाली बैठक के मिनट्स तलाश रहे हैं। वो उसी मिनट्स के आधार पर आगे की रणनीति बनाएंगे। सूत्र बताते हैं कि सात मार्च 2025 को बजट बैठक हुई थी, उस बैठक में सबसे पहले प्रस्ताव संख्या-117 लाया गया था और इसका मतलब यह है कि पूर्व की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि हुई। अब यही पूछा जा रहा है कि जब तब प्रस्ताव निरस्त हो गया तो फिर अब किस आधार पर टैक्स बढ़ा और अगर अब सर्वसम्मति से प्रस्ताव निरस्त हुआ तो इसकी क्या गारंटी है।

मिजोरम से रखी जनरल वीके सिंह ने गाजियाबाद बात
नितिन गडकरी को लिखा पत्र और की गाजियाबाद को इकॉनोमिक कोरिडोर से जोड़ने की मांग

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जनरल वीके सिंह लगातार दो बार गाजियाबाद से लोकसभा सांसद रहे हैं और वो केंद्र सरकार में सड़क मंत्री भी रहे हैं। गाजियाबाद में उनका मन मिजोरम जाने के बाद भी रमता है। गाजियाबाद से उनका एक लगाव है और ये अक्सर समय-समय पर दिखाई देता है। हवाई अड्डे से उड़ान की बात हो या फिर जिम उद्घाटन की बात हो तो जनरल की एंट्री होती है। गाजियाबाद में लोकसभा सांसद, मेयर और पांच विधायक भाजपा के हैं, दो एमएलसी भाजपा के हैं, लेकिन ये जनरल वीके सिंह हैं कि मिजोरम में रहकर भी उन्हें गाजियाबाद के विकास की फिक्र होती है। जनरल वीके सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा। उन्होंने अपने पत्र में एफएनजी एक्सप्रेसवे का जिक्र किया और किहा कि यह फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद को जोड़ता है। इस समय इसके बनने से हरियाणा से जाने वाले ट्रैफिक को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे तक बिना दिल्ली को प्रदूषित किये ले जाया जा सकता है। पुराने अलाइमेंट को विस्तारित करते हुए इसके जरिये आगरा, जेवर, नोएडा, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे से दिल्ली-जेवर एलिवेटेड रोड, दिल्ली-मथुरा राजमार्ग से ट्रोनिका सिटी दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे को जोड़ा जा सकता है। यह बहुत उपयोगी रहेगा। मिजोरम के राज्यपाल जनरल वीके सिंह ने अब अपने पत्र में गाजियाबाद, कानपुर इकॉनोमिक कोरिडोर का जिक्र किया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि आपने इसकी घोषणा भी की थी। इसके द्वारा कानपुर जाने का समय कम हो जाएगा तथा जेवर के कार्गो की निकासी व आवक का मार्ग प्रशस्त्र हो जाएगा। यह लखनऊ, आगरा एक्सप्रेसव को भी जोड़ देगा। जिससे दिल्ली से लखनऊ का मार्ग कम समय में तय होगा। यह मार्ग गंगा नदी के दक्षिण के क्षेत्र को विकासमान बनाएगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके निदेशों से यह दोनों मार्ग इस क्षेत्र के विकास को पंख प्रदान करेंगे। आपसे अनुरोध है कि एफएनजी एक्सप्रेस-वे तथा गाजियाबाद , कानपुर इकॉनोमिक कोरिडोर को शुरू करने के लिये निर्देशित करें।

जनरल वीके सिंह ने अपने पत्र के जरिये एक बार फिर गाजियाबाद के विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

दिवंगत नेता देशराज देशी के पुत्र ने कहा-
मेरे पिता के नाम पर भाजपा की तरफ से कुछ किया जाए

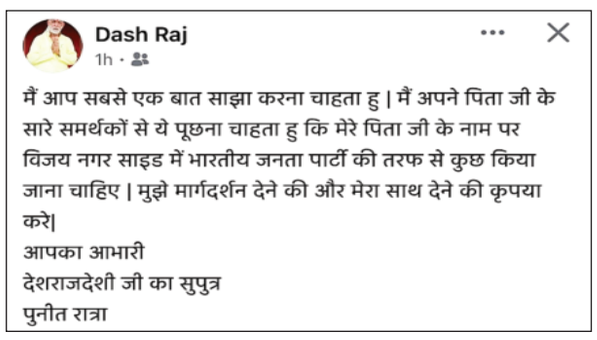

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कार्यकर्ता की मौत के बाद पार्टी ने कार्यकर्ता को सम्मान दिया। उनके योगदान को याद किया और एक ऐसे कार्यकर्ता जिनके शव को पार्टी के झंडे में मोक्ष स्थल तक लाया गया। ये कार्यकर्ता देशराज देशी थे। उनकी शोकसभा में पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने भी कहा कि एक कार्यकर्ता को क्या मिला। दिवंगत कार्यकर्ता देशराज देशी के पुत्र पुनीत रात्रा ने फेसबुक पर लिखा और कहा कि मैं आप सबसे एक बात साझा करना चाहता हूं। मैं अपने पिताजी के सारे समर्थकों से ये पूछना चाहता हूं कि मेरे पिताजी के नाम पर विजय साइड में भारतीय जनता पार्टी की तरफ से कुछ किया जाना चाहिए। स्व. देशराज देशी के पुत्र ने सभी से कहा कि वो इस मामले में उन्हें मार्गदर्शन देने और साथ देने की कृपा करें। एक कार्यकर्ता के पुत्र का ये भाव और ये लगाव बताता है कि उनकी भावनाएं अपने पिता से भी जुड़ी है और वो भाजपा से भी ये उम्मीद रखते हैं कि पिता को मरनोपरांत पार्टी जरूर सम्मान देगी।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा योद्धा की फैक्ट्री से अक्सर निकलते रहते हैं तकिया कलाम? पहले उनका चुप रहे तो दुआ वाला डॉयलाग हिट रहा? इस बार उनका पाईप लाईन में रहने वाला डॉयलाग हो रहा है आम? जब भी देते हैं वो किसी को सक्रिय रहने का संदेश? कहते हैं पाईप लाईन में रहोगे तो कुछ ना कुछ पा ही लेगा आपका फेस? मगर कभी कभी हो जाती है पाईप चोक? ऐसा हुआ तो फिर कैसे पूरी होगी सामने वाले की होप?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जिन भगवा मैम्बरों ने बोर्ड में मारे हैं डॉयलाग जोरदार? सुना है ऐसे पार्षदों की अखबार वाली कटिंग कांट-छांट करके कर ली गई है तैयार? सबको भेज दिया गया है इन द फाईल? समय आने पर ये क्रान्तिकारी कटिंग निकाल कर उड़ाई जायेगी पार्षदों की स्माईल? कहने वाले ने कहा सुना है किसी बड़े स्थान पर बड़े चेहरे के कहने पर तैयार हुई है ये वाली फाईल?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि आप ये मत सोचो कि पप्पू भैया की बैटरहॉफ ने नहीं दिये बोर्ड बैठक में दीदार? हमें पता चला है कि उन्होंने अध्यक्ष जी को लैटर भेज कर बताया था अपनी दूरियों का विचार? कहा था हम नहीं हैं गाजियाबाद में मौजूद? इसलिए बैठक में नजर नहीं आया हमारी होम मिनिस्टर का वजूद? लैटर में पहलवान जी ने लिखा अपना मैटर? कहा हम भी बढ़े हुए हाउस टैक्स के खिलाफ हैं? हमारा दर्ज किया जाये ये वाला चैप्टर?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम भगवा मैडम कमिश्नर गुप्ता जी के जब भी देखते हैं तेवर? ऐसा लगता है ऐसे चेहरे को तो मेन टीम में होना चाहिए था? ये बातें नहीं करती हैं ऐसी जैसे होता है घेवर? सुना है इन्होंने मन की बात वाले ग्रुप पर रख दी अपने मन की खुल कर बात? कहा जिसे काम करना है उसका स्वागत है? जो काम नहीं कर रहा वो ग्रुप को एग्जिट मार सकता है साहब? कहने वाले ने कहा मैडम गुप्ता के ये तेवर वाकई में हैं लाजवाब?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जो लोग बना रहे थे हैवीवेट वालों के हैवीवेट को लेकर माहौल? उनको दे दिया है हैवीवेट वालों ने हैवीवेट जवाब? 20 किलो कम कर लिया है उन्होंने अपना वजन? ना जाने कौन सी एक्सरसाईज की है साहब? वजन भले ही हो गया हो उनका अब पहले से अपडेट? मगर ये भी सच है कि उनका अंदाज अभी भी है हैवीवेट? अपनी लगातार सक्रियता से वो कर रहे हैं नदिया पार वाली सीट को पहले से भी ज्यादा सेफ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि जब चल रही थी पार्टी कार्यालय पर जनप्रतिनिधियों के साथ भगवा योद्धा की मीटिंग? मुद्दा था हाउस टैक्स का विरोध? हम देख रहे थे जनता के पक्ष में देखते ही बन रहा था योद्धा के चेहरे पर प्रतिशोध? उन्होंने जनप्रतिनिधियों से कहा अगर कोई पार्टी का व्यक्ति इस मैटर पर देगा विपरीत राय? सच बता रहा हूं उसको कर दूंगा बाय-बाय? सबको मिलानी होगी आपकी आवाज में आवाज? भाजपा हमेशा रही है जनहित में जनता के साथ?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि पप्पू भैया का बहुत ही है सरल व्यवहार? हम देख रहे हैं वो कॉपी पेस्ट करने में नहीं करते हैं किसी का इंतजार? कभी कभी कॉपी पेस्ट के चक्कर में वो पेस्ट कर देते हैं ऐसा मैटर, जो नहीं होता है कई बार बेटर? हमने देखा एक पोस्ट पर उन्होंने नहीं दिया ध्यान? उसे पेस्ट करके वो बन गये बिहार के निवासी और जिला लिख दिया सियान? जब उन्हें कराया किसी ने बिहार निवासी होने का एहसास? तब उन्होंने पोस्ट डिलीट करके अपनी मिस्टेक को ठीक किया साहब?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि इसमें नहीं बचा है कोई अब सवाल? मुरादनगर में कायम है विधायक अजीत पाल त्यागी का भौकाल? उनके बर्थडे पर भीड़ जुटी जोरदार? कई जगह स्वागत हुए दमदार? सुबह से लेकर शाम तक कई स्थानों पर हुआ उनका बर्थडे सेलीब्रेट? मुरादनगर में आज तक इस अंदाज में कोई नहीं कर पाया है अपना बर्थडे अप-टू-डेट? कहने वाले ने कहा बर्थडे सेलीब्रेशन को देख कर हमें हुआ यह महसूस कि 2027 वाले पत्ते वो ही करेंगे फैटम फेट?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि स्टोरी से दूर होने वाला है जल्द ही ट्विस्ट? आज नहीं तो कल बाहर आ जायेगी मंडल के टीम वालों की लिस्ट? मंगलवार को हो चुका है साहिबाबाद के मंडलों पर डिस्कशन? आज है शहर और मुरादनगर पर होना है विचार? कहने वाले ने कहा आज नहीं तो कल आ ही जायेगी सभी मंडल के नए पदाधिकारियों की लिस्ट बाहर?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि विधायक जी के बर्थडे पर एक चेहरे को देख कर हो रही थी चर्चाएं? कह रहे थे हो गई है इस चेहरे की राजीव जी के सामने जबरदस्त लॉचिंग? समझने वाले इस बात को समझ जायें? अक्कू भैया के जलवे विधायक जी के बर्थडे पर हो रहे थे हर जगह आम? कहने वाले कह रहे थे जहां देखो इन्हीं के होर्डिंग नजर आ रहे थे? लग रहा था इन्होंने पूरी शिद्दत से खर्चा था प्रचार में दाम? मंगलवार का दिन इन्होंने कर दिया था विधायक जी के नाम?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

संपादकीय

बरसात की बेड़ियां

प्रकृति अपने संतुलन की तलाश में बरसात के गीत गा रही और इधर विकास की छत के नीचे पहाड़ भरभरा रहे। मौसम का एक हल्का सा अलर्ट पता नहीं अपने मंसूबे को कितना विकराल बना देगा और इस पर तुर्रा यह कि सारा सोशल ज्ञान बिन बादल बरसात की तरह खुद ही नहाता रहता है। स्कूल प्रांगण को देखकर समय के अनुरूप छात्रों को रोका गया है, तो यह कदम सतर्कता नहीं एक सुखद पहल है। हिमाचल में बहुत सी गतिविधियां अब रोक दी जाती हैं, फिर भी कई अध्याय बारिश के बीच भीग जाते हैं। खास तौर पर इन दिनों में कुछ परीक्षाओं के आयोजन में करियर की दौड़ लगाई जाती है। रविवार के दिन प्रतियोगी व प्रशासनिक परीक्षा के दौर में ये बूंदें बाढ़ की तरह बरपी हैं और इसका गवाह है परीक्षा भवन की हाजिरी से दूर रहे युवा। यह मुश्किल इसलिए हो जाता है कि कई बार छोटी परीक्षाओं के लिए केंद्र बिखर कर भटक जाते हैं। परीक्षाओं के फलक को सुदृढ़ बनाने के लिए भी एक सुरक्षित मानचित्र होना चाहिए। उसके साथ भी मौसम के अलर्ट नत्थी होने चाहिएं। मसलन तमाम सरकारी विश्वविद्यालयों के अलावा स्कूल शिक्षा बोर्ड को अपने परिसर में स्थायी परीक्षा केंद्र विकसित करने चाहिएं। पिछले कुछ समय से बरसात का डरावना मंजर, सीधे-सीधे हिमाचली महत्त्वाकांक्षा को चुनौती दे रहा है। यह नीतियां-नियमों के अतिक्रमण से शुरू होकर सीधे भूमि पर उतर रहा है। आवासीय व व्यापारिक क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों ने ऐसी जमीन माप ली, जो संवेदनशील खाई या नदी-नाले की तराई है। हम पहाड़ को बचाने की दुहाई साल भर करते हैं, लेकिन जल निकासी के रास्ते को रोक बैठे हैं। बेशक शहरीकरण की जरूरतों में भूमि बैंक बनाते वक्त ऐसी खड्डों का तटीकरण व उसके ऊपर उपलब्ध खाली स्थान की उपयोगिता को सही ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन दीर्घकालीन योजनाएं चाहिएं। हमारी योजनाएं-परियोजनाएं सियासी बरसात की तरह है। जैसे ही किसी नेता का सत्ता में पलड़ा भारी होता है विकास की चरागाह अपनी हुकूमत का प्रदर्शन करने लगती है। विकास की रणनीति, इसकी शर्तें, समय सीमा, निर्माण के महीनों में दिखाई देनी चाहिएं, लेकिन हिमाचल में सत्ता बदलते ही ईंटें रूठ जाती हैं। किसी भी विकास योजना के अधूरे कार्यों को बीच में छोडकर हम प्रदेश की तौहीन ही नहीं, मौसम की विकरालता के खुले जख्मों को भी आमंत्रित करते हैं। सडक निर्माण का वर्तमान भी सियासत में डूबा रहता है। प्राथमिकताएं समय से पूर्व और मशीनरी से भरपूर होकर अगर एक ही आंचल को बार-बार कुरेदेंगी, तो खतरे पहाड़ के समीप-हर बरसात के नसीब बन जाएंगे। सडकें जिस पहाड़ से सुरंगें खोद रही हैं, उसी के करीब हाइड्रोप्रोजेक्ट्स से नदी या खड्ड का मुख मोडने की गुस्ताखी कर बैठते हैं। दो विभागों पर विनाश की भूमिका अकसर नजरअंदाज होती है। न विद्युत और न ही जलापूर्ति के इंतजाम बरसात के अनुरूप हो रहे हैं। पानी की पाइपों का इतिहास हर साल विनाश के रास्तों को निमंत्रण देता है या बिजली के खंभे अब तो खड्डों से रास्ते ढूंढते गुजरने लगे हैं।

उतार-चढ़ाव के बाद बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 90 अंक चढ़ा, निफ्टी 25500 के पार

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलावर को हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 90.83 अंक उछलकर 83,697.29 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 24.75 अंक बढ़कर 25,541.80 अंक पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बढ़त के बाद मंगलवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सीमित दायरे में कारोबार करते हुए बढ़त के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 90.83 अंक या 0.11 प्रतिशत बढ़कर 83,697.29 अंक पर बंद हुआ। इसमें से 13 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 17 शेयर नुकसान में रहे। कारोबार के दौरान यह 267.83 अंक या 0.32 प्रतिशत बढ़कर 83,874.29 अंक पर पहुंच गया। वहीं

एनएसई निफ्टी 24.75 अंक या 0.10 प्रतिशत बढ़कर 25,541.80 पर बंद हुआ।डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे बढ़कर 85.51 (अनंतिम) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। वहीं, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, इटरनल और टेक महिंद्रा पिछड़ गए। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 66.56 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.22 प्रतिशत गिरकर 66.56 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 831.50 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची।

यूरोपीय बाजारों में रही गिरावट

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुआ जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक नीचे बंद हुआ। हांगकांग के बाजार बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में ज्यादातर गिरावट देखी गई। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

भारत में हुए सुधारों पर स्पेन में बोलीं सीतारमण

'निजी निवेश बढ़ा पर अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी'

नई दिल्ली। स्पेन, पुर्तगाल और ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर गईं वित्त मंत्री मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पेन के सेविले में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंच के शिखर सम्मेलन के दौरान सतत विकास के लिए निजी पूंजी जुटाने की जोरदार वकालत की। उन्होंने एफएफडी4 परिणाम से कार्यान्वयन तकः सतत विकास के लिए निजी पूंजी की क्षमता को अनलॉक करना शीर्षक पर अपनी राय रखी। वैश्विक नेताओं और निवेशकों को संबोधित करते हुए, सीतारमण ने कहा कि हाल के वर्षों में निजी निवेश ने उत्साहजनक वृद्धि दिखाई है, लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में, मंत्री ने कहा, रनिजी पूंजी निवेश अब भी आवश्यकता से काफी कम है, कम और मध्यम आय वाले देशों को अनुपातहीन रूप से छोटा हिस्सा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि निवेश बाधाओं को दूर करने और विकास प्राथमिकताओं के साथ वित्तीय प्रवाह को बेहतर करने के प्रयासों की तत्काल आवश्यकता है। अपनी यात्रा के दौरान सीतारमण ने उभरते बाजारों में कथित निवेश जोखिमों को संबोधित करने के महत्व पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारत ने इन चुनौतियों को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सीतारमण ने कहा, भारत ने स्वतंत्र विनियामकों की स्थापना, पारदर्शी बोली प्रक्रियाओं को लागू करने, अनुबंधों को मानकीकृत करने और व्यापार करने में आसानी में सुधार करके इस चुनौती का समाधान किया है। इन सुधारों ने निवेशकों के विश्वास को काफी बढ़ाया है और लेन-देन की लागत को कम किया है। वित्त मंत्री ने मजबूत घरेलू वित्तीय प्रणालियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। भारत ने बुनियादी ढांचे और उद्योग में बड़े पैमाने पर वित्तपोषण का समर्थन करने के लिए अपने बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत करने और पूंजी बाजारों को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

डिजिटल भारत के 10 साल पूरे, पीएम मोदी ने कहा- अगला दशक होगा और भी परिवर्तनकारी

नई दिल्ली। डिजिटल इंडिया मिशन के 10 वर्ष पूरे हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका जश्न मनाते हुए अपने आधिकारिक लिंक्डइन हैंडल पर 'डिजिटल इंडिया का एक दशक' शीर्षक से एक ब्लॉग साझा किया है। उन्होंने डिजिटल इंडिया के दस वर्षों का सफर बयां किया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि किस प्रकार भारत 2014 में सीमित इंटरनेट पहुंच और डिजिटल सेवाओं से 2024 में डिजिटल प्रौद्योगिकी में वैश्विक अग्रणी बन गया है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले लोग इस बात पर संदेह करते थे कि भारतीय लोग तकनीक का सही इस्तेमाल कर सकते हैं या नहीं। लेकिन सरकार ने लोगों पर भरोसा किया और अमीरों और गरीबों के बीच की खाई को भरने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया। आज, डिजिटल उपकरण 140 करोड़ भारतीयों के रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। शिक्षा और व्यवसाय से लेकर सरकारी सेवाओं तक इसकी पहुंच है।

इंटरनेट कनेक्शन बढ़कर 97 करोड़ पहुंच गया

उन्होंने बताया कि 2014 में भारत में करीब 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। अब यह संख्या 97 करोड़ से ज्यादा हो गई है। हाई-स्पीड इंटरनेट गलवान और सियाचिन जैसे दूरदराज के इलाकों में भी पहुंच गया है। देश का 5जी रोलआउट दुनिया में सबसे तेज है।

सोने में सात दिन से जारी गिरावट थमी, 1200 की तेजी के साथ 98670 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

नई दिल्ली। मंगलवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,100 रुपये बढ़कर 98,150 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। इस दौरान, चांदी की कीमत 2,000 रुपये बढ़कर 1,04,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। मजबूत वैश्विक रुख को देखते हुए स्टॉकिस्टों की ताजा लिवाली से राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत सात दिन की गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए 1,200 रुपये की तेजी के साथ 98,670 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। अखिल भारतीय सराफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। मंगलवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,100 रुपये बढ़कर 98,150 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

रोचक तथ्यों का करंट

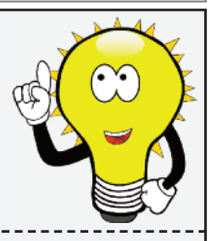

- हैदर अली और ब्रिटिश सेना के बीच युद्ध।
- सिन्ध के मुख्य आयुक्त सर बर्टलेफ्रोरे द्वारा सिफर सिंध राज्य में और मुंबई कराची मार्ग पर प्रयोग के लिए सिंध डाक नामक डाक टिकट जारी किया गया।
- कलकत्ता उच्च न्यायालय का उद्घाटन।
- भारत में पोस्टकार्ड की शुरूआत।
- इंपीरियल बैंक आफ इंडिया का राष्ट्रीयकरण किया गया और इसे स्टेट बैंक आफ इंडिया का नाम दिया गया।
- अफ्रीकी देश घाना को गणराज्य घोषित किया गया।
- भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की स्थापना।
- अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और 59 अन्य देशों ने परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तखत किए।.
- तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 20 सूत्री कार्यक्रम का ऐलान किया।
- अमेरिका ने ताइवान के खिलाफ लागू प्रतिबंध हटाये।
- भारत में अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण सुधार के रूप में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू किया गया।

राशिफल

मेष: सूर्य इस राशि से तृतीय व गुरु द्वादश रहकर लाभ देंगे, वहीं चन्द्रमा चतुर्थ गोचर करके आज आपका मन आध्यात्मिक करेंगे। जॉब में परफार्मेंस सुखद है।

वृष: आज का दिन इसी राशि से द्वितीय स्थित सूर्य, एकादश गुरु व तृतीय चन्द्रमा शुभ बनाएगा। धन का आगमन व व्यय धार्मिक कार्यों में हो सकता है।

मिथुन: जॉब में प्रगति होगी। चन्द्रमा व गुरु गोचर के कारण जॉब परिवर्तन सम्बन्धी कोई भी निर्णय सोच समझ कर ही लें। विष्णु जी की उपासना करें।

कर्क: आज चन्द्रमा इसी राशि में है। रुके कार्यों के निस्तारण समय है। छात्र करियर को लेकर उत्साहित व प्रसन्न होंगे। कोई रुका कार्य पूर्ण होगा। मूंग का दान करें।

सिंह: सूर्य का एकादश व गुरु का अष्टम गोचर आज आपको प्रत्येक कार्यों में सफलता देगा। आर्थिक सुख में वृद्धि होगी। व्यवसाय में नवीन अवसरों की प्राप्ति होगी।

कन्या: एकादश चन्द्रमा, सप्तम गुरु व दशम सूर्य शुभ हैं। जॉब में उन्नति से प्रसन्नता होगी। चन्द्रमा व शनि रिश्तों में आज तनाव ला सकता है। आर्थिक लाभ सम्भव है।

तुला: चंद्रमा आज कर्म भाव में गोचर करेंगे। जॉब में प्रगति को लेकर प्रसन्नता रहेगी। छात्र करियर में अपने परफार्मेंस से संतुष्ट रहेंगे। श्री सूक्त का पाठ करें।

वृश्चिक: आज अष्टम सूर्य, गुरु का पंचम व चन्द्रमा का भाग्यभाव में गोचर धन की प्राप्ति कराएंगे। पीला-हरा रंग शुभ है। म्जॉब में पद परिवर्तन के संकेत हैं।

धनु: व्यवसाय में संघर्ष सम्भावित है। घर संबंधित किसी कार्य को लेकर सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। रुके हुए धन प्राप्ति के संकेत हैं। हरा व बैगनी रंग शुभ है।

मकर: तृतीय गुरु व खष्ठम सूर्य आर्थिक लाभ दे सकता है। पिता के आशीर्वाद से लाभ मिलेगा। आसमानी व सफेद रंग शुभ है। धार्मिक यात्रा कर सकते हैं।

कुंभ: सूर्य पंचम व गुरु इसी राशि से द्वितीय तथा चन्द्रमा रोग भाव में है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आज आप किसी रुके कार्य को पूर्ण करने में सफल रहेंगे।

मीन: चन्द्रमा शिक्षा भाव में है। छात्र सफल रहेंगे। धन का आगमन हो सकता है। गुरु व चन्द्रमा धार्मिक कार्यों में व्यस्त करेगा। राजनीति में सफलता के संकेत हैं।

चुटकुले

एक भिखारी रोज-रोज मांग कर खाते-खाते तंग आ गया। एक दिन उसने भगवान से कहा कि- भगवान, मुझे खाने को ऐसा कुछ दे जो खाने पर भी खत्म न हो।
भगवान बोले-ये ले बेटा च्यूइंग गम।

लड़की बंटी से - क्या कर रहे हो ?
बंटी - मच्छर मार रहा हूं, लड़की - अब तक कितने मारे ?
बंटी - पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल, लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन ?
बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

टीचर (छात्र से)- बताओ हाथी और घोड़े में क्या फर्क होता है?
छात्र-सर घोड़े की एक तरफ दुम होती है और हाथी की दोनों तरफ।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

02 07 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

ऋचा मुखर्जी
अभिनेत्री

गौरांश शर्मा

डॉ. सविता चौधरी

गुंजन गर्ग

रेणुका

अर्चना भट्ट शर्मा

बबीता

महमूद अली

नितिन चौधरी

परवेज त्यागी

मदन राय (पार्षद)

लक्ष्मी चंद बंसल

अखलाक चौधरी

अकरम

अमित मिश्रा

अनिल गौतम

दिनेश जांगिड

नितिश कुमार

पिंकल गुर्जर

प्रशांत चौधरी

राजीव कुमार

राजपाल शर्मा

सतेंद्र यादव

सुशांत आनंद

सुरेंद्र सिंह

उपेंद्र राणा

विपुल सिंह

चिंटू

अनिल शर्मा

आबिद हसन

हिमांशु गिरी

मनीष कुमार

प्रदीप कुमार यादव

प्रदीप

सतीश नंबरदार

मदन तोमर

मुजीब सैफी

वंश

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

नई खेल नीति को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

2047 तक भारत को शीर्ष-5 खेल राष्ट्र बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय खेल नीति (एनएसपी) 2025 को मंजूरी दे दी है। यह देश के खेल परिदृश्य को नया आकार देने और खेलों के माध्यम से नागरिकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल है। नई खेल नीति मौजूदा राष्ट्रीय खेल नीति 2001 का स्थान लेगी। ये भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने तथा 2036 ओलंपिक खेलों सहित अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में उत्कृष्टता के लिए एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करने के लिए एक दूरदर्शी और रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करेगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को एक व्यापक खेलो भारत नीति, 2025 को मंजूरी दे दी है जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत को शीर्ष पांच खेल राष्ट्रों में से एक बनाना है। मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों पर काफी ध्यान दिया है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभा को आगे लाने के लिए ज्यादा ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि नई नीति इसी प्रयास का हिस्सा है। मंत्री ने साथ ही कहा कि इसका दूसरा मुख्य उद्देश्य खेल को जन आंदोलन बनाना है। एनएसपी 2025 को केंद्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग, राज्य सरकारों, राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ), खिलाड़ियों, खेल विशेषज्ञों और सार्वजनिक हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद तैयार किया गया है। इसके तहत खेल को पर्यटन और आर्थिक विकास से जोड़ा जाएगा। वैष्णव ने कहा, 'बड़ी संख्या में लोग आईपीएल, फुटबॉल मैच देखने के लिए यात्रा करते हैं। इससे पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।'यह दस्तावेज राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ जुड़ने का प्रयास करता है, जिसमें खेलों को स्कूली पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि इसका उद्देश्य शिक्षकों और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को खेल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण से लैस करना है। इसके सूचीबद्ध लक्ष्यों में खेल प्रशासन के लिए एक मजबूत नियामक ढांचा स्थापित करना और पीपीपी (सरकारी और निजी क्षेत्रों की भागीदारी) और सीएसआर के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी सहित नवीन वित्तपोषण तंत्र का विकास करना शामिल है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को नया आकार देने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, यह ऐतिहासिक नीति जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, बुनियादी ढांचे, खिलाड़ियों के विकास का समर्थन करने और भारत को वैश्विक खेलों में एक मजबूत ताकत के रूप में स्थापित करने के लिए एक रणनीतिक रूपरेखा की तरह है।

वनडे-टी20 और टेस्ट में सबसे ज्यादा बार रन-आउट होने वाले भारतीय, धोनी-कोहली और सचिन-द्रविड़ भी सूची में

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन में बुधवार से खेला जाएगा। लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में टीम इंडिया को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम चाहेगी कि इस मुकाबले में वापसी कर सीरीज को 1-1 से बराबर किया जाए। क्रिकेट में खिलाड़ी कई प्रकार से आउट होते हैं, लेकिन इनमें सबसे दुर्भाग्यपूर्ण तरीका रन आउट होता है।

कभी-कभी खिलाड़ी अपनी गलती से तो कभी-कभी दूसरे की गलती की कीमत उसे चुकानी पड़ती है। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट में इस तरह के आउट होने के तरीके से बचना चाहेगी।

भारत के लिए टी20 में सबसे ज्यादा बार आउट होने का रिकॉर्ड तीन ऐसे बल्लेबाजों के नाम है, जो विकेट के बीच में सबसे तेज माने जाते हैं। इनमें विराट कोहली, रोहित शर्मा और एमएस धोनी शामिल हैं। ये तीनों छह-छह बार रन आउट हो चुके हैं। इस लिस्ट में कोहली और धोनी का नाम होना सबसे चौंकाने वाला है। ये दोनों विकेट के बीच सबसे तेज माने जाते हैं।

भारत के लिए वनडे में सबसे ज्यादा बार रन आउट होने वाले बल्लेबाजो में राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन के नाम शामिल हैं। द्रविड़ सबसे ज्यादा 40 बार रन आउट हुए हैं, जबकि सचिन 34 बार रन आउट हुए। इन दोनों ने कई वर्षों तक भारत के शीर्ष क्रम और मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभाली। वहीं, अजहरुद्दीन वनडे में 32 बार रन आउट हुए।

टेस्ट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन आउट होने का रिकॉर्ड भी द्रविड़ के नाम है। वह इस प्रारूप में 13 बार रन आउट हुए। वहीं, चेतेश्वर पुजारा और सचिन तेंदुलकर संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। ये दोनों नौ-नौ बार रन आउट हुए। पुजारा भी अब टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं।

मुक्केबाज हितेश, सचिन और मीनाक्षी की जीत से शुरूआत, सर्वसम्मत फैसले में हासिल की जीत

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज हितेश, सचिन सिवाच और मीनाक्षी ने सोमवार को विश्व मुक्केबाजी कप में जीत के साथ शुरूआत की। पुरुष वर्ग में हितेश और सचिन ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल की। इस साल की शुरूआत में विश्व मुक्केबाजी कप के ब्राजील चरण में स्वर्ण जीतने वाले हितेश ने बीलाइन एरिना में लाइट मिडिलवेट वर्ग में चीनी ताइपे के कान चिया-वेई को 5-0 से मात दी।

ब्राजील में कांस्य पदक विजेता सचिन ने लाइटवेट वर्ग में कनाडा के अल-अहमदीह कियोमा-अली पर 5-0 की प्रभावशाली जीत दर्ज की। महिलाओं में मीनाक्षी ने लाइट फ्लाईवेट वर्ग में ऑस्ट्रेलिया की मैडेलीन बोवेन पर 5-0 की एकतरफा जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की, जबकि मुस्कान ने मिडिलवेट वर्ग के रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड की केरी डेविस को 3-2 से हराया। भारत ने ब्राजील में पिछले विश्व मुक्केबाजी कप लेग में छह पदक जीते थे।

इंग्लैंड के खिलाफ शतक जड़ने का मंधाना को हुआ फायदा, टी 20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 की सीरीज के पहले मैच में शतक लगाया था। उस मैच में उन्होंने चोटिल हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी भी की थी। मंधाना ने 62 गेंद में 15 चौकों और तीन छक्कों के साथ 112 रन बनाये थे जिसकी मदद से भारत ने 97 रन से जीत दर्ज की। मंधाना के अब 771 रेटिंग अंक हैं जो उनके कैरियर में सर्वोच्च हैं। वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज 774 अंक लेकर दूसरे और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 794 अंक के साथ पहले स्थान पर हैं। भारत की शेफाली वर्मा एक पायदान चढ़कर 13वें, जबकि हरलीन देयोल 86वें स्थान पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लौरेन बेल चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। पाकिस्तानी स्पिनर सादिया इकबाल शीर्ष पर हैं।

यूरोप दौरे के लिए 20 सदस्यीय भारत-ए टीम का एलान, हॉकी इंडिया ने इन्हें बनाया कप्तान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आठ से 20 जुलाई तक आठ मैचों के यूरोप दौरे के लिये 20 सदस्यीय भारत ए पुरूष टीम का एलान कर दिया है। हॉकी इंडिया ने कहा कि यह दौरा उदीयमान और अनुभवी खिलाड़ियों को उपयोगी अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने के लिये आयोजित किया गया है। भारत ए टीम फ्रांस, आयरलैंड और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मैच खेलना है।

हॉकी इंडिया ने कहा, 'इन मैचों से भारतीय हॉकी की प्रतिभाओं के पूल की गहराई और तैयारी का पता चलेगा। वे सीनियर टीम के लिये भी पूल का हिस्सा बन सकेंगे।' भारत ए टीम की कमान संजय के हाथ में होगी जबकि एम रबिचंद्र सिंह उपकप्तान होंगे। गोलकीपर अंकित मलिक, डिफेंडर सुनील जोजो और फॉरवर्ड सुदीप चिरमाको स्टैंडबाय होंगे।

भारतीय राष्ट्रीय टीम के सहायक कोच शिवेंद्र सिंह ए टीम के कोच होंगे जो आठ जुलाई को आयरलैंड से पहला मैच खेलेगी। शिवेंद्र ने कहा, 'यह दौरा हमारे खिलाड़ियों के लिये अहम प्लेटफॉर्म होगा जिसमें उन्हें यूरोपीय हॉकी के ढांचे, स्वरूप और प्रवाह के बारे में पता चलेगा।'

संन्यास से पहले भारत में टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं लियोन, नए 'सॉन्ग मास्टर' को लेकर कही यह बात

ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम फिलहाल वेस्टइंडीज के दौरे पर है। टीम ने बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में 159 रन की बड़ी जीत हासिल की और तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 की बढ़त हासिल की। अब तीन जुलाई से दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। हालांकि, इससे पहले 37 साल के नाथन लियोन को लेकर खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, 12 वर्षों से वह जिस जिम्मेदारी को संभालते आ रहे थे, उसे अब एलेक्स कैरी को सौंप दी गई है। ऐसे में लियोन के संन्यास की चर्चा होने लगी है। हालांकि, उन्होंने इसका खंडन किया है।

ऑस्ट्रेलिया और दुनिया के महान स्पिनरों में शुमार लियोन ने कहा है कि उनका निकट भविष्य में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का कोई इरादा नहीं है और वह इससे पहले भारत में एक टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं। लियोन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 138 टेस्ट में 556 विकेट लिए। भारत के खिलाफ उन्होंने 32 टेस्ट खेलकर 130 विकेट चटकाए हैं, लेकिन भारत में कभी भी सीरीज नहीं जीत सके। ऑस्ट्रेलिया ने 2004-05 के बाद भारत को उसकी धरती पर नहीं हराया है।

लियोन ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, 'मैं भारत में सीरीज जीतना चाहता हूं। मैं इंग्लैंड में भी सीरीज जीतना चाहता हूं। हमारे पास यह मौका होगा, लेकिन हमें टेस्ट दर टेस्ट रणनीति बनानी होगी। हमें पहले यहां वेस्टइंडीज में शानदार प्रदर्शन करना है। इसके बाद एशेज खेलनी है। मेरी नजरें एक और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल पर भी है।'

लियोन ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में 'सॉन्ग मास्टर' का अपना काम विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को सौंप दिया है, जिन्होंने वेस्टइंडीज पर पहले टेस्ट में 159 रन से जीत के बाद यह जिम्मेदारी निभाई। ऑस्ट्रेलिया की हर जीत के बाद 'अंडरनीथ द सदर्न क्रॉस' गाना गाया जाता है, जो सॉन्ग मास्टर शुरू करता है। रॉड मार्श ने यह परंपरा शुरू की थी और पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी ने लियोन को यह जिम्मेदारी सौंपी थी। लियोन ने कहा, 'मैंने 12 साल तक यह जिम्मेदारी निभाई। यह मेरे कैरियर की बड़ी उपलब्धि रही, लेकिन इसे छोड़ने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि मैं संन्यास ले रहा हूं।'

लखनऊ के दिव्यांश, गाजियाबाद की आरती बनीं चैंपियन

नई दिल्ली। प्रथम यूपी स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में लखनऊ के दिव्यांश श्रीवास्तव और महिला वर्ग में गाजियाबाद की आरती चौधरी चैंपियन बन गई। सभी विजेताओं को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। एसवी कॉलेज के इंडोर स्टेडियम में पुरुष वर्ग के फाइनल में लखनऊ के दिव्यांश श्रीवास्तव ने गाजियाबाद के सार्थ मिश्रा को 11-8, 11-8, 11-4 अंक से हराया। महिला वर्ग के फाइनल में गाजियाबाद की आरती चौधरी ने अपने ही शहर की अनिका गुप्ता को 11-8, 11-4, 11-7 अंक से शिकस्त दी। यूथ बॉयज (अंडर-19) वर्ग के फाइनल में प्रयागराज के आर्यन कुमार ने आगरा के मौलिक चतुर्वेदी को 11-9, 11-3, 12-10 अंक से हराया। यूथ गर्ल्स (अंडर-19) के फाइनल में गाजियाबाद की अवनि त्रिपाठी ने अपने शहर की दिशा को 11-6, 11-3, 1-6 अंक से हरा दिया। यूथ बॉयज (अंडर-17) वर्ग के फाइनल में प्रयागराज के आर्यन कुमार ने गाजियाबाद के अर्नव पवार को 11-9, 11-5, 11-9 अंक से हराया। गर्ल्स-बॉयज (अंडर-17) वर्ग के फाइनल में आगरा की श्रेया अग्रवाल ने गाजियाबाद की याशिका तिवारी को 11-9, 11-9, 11-2 अंक से मात दी। सब जूनियर बॉयज (अंडर-15) वर्ग के फाइनल में आगरा के केशव खंडेलवाल ने कानपुर के आशुतोष गुप्ता को 11-13, 11-3, 11-8, 11-7 अंक से हराया। इस अवसर पर पूर्व यूपी स्टेट चैंपियन एए जैदी, पूर्व विधायक विवेक बंसल, अरविंद भार्गव, टेबल टेनिस संघ के सचिव सर्वेश कुमार आदि मौजूद रहे।

'दूसरे टेस्ट में उपलब्ध रहेंगे बुमराह लेकिन...'

सहायक कोच ने जसप्रीत के खेलने पर दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले राहत की खबर मिली है। टीम के सहायक कोच रयान टेन डस्काटे ने इस बात की पुष्टि की है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एजबेस्टन टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे। हालांकि, टीम प्रबंधन ने उनकी उपलब्धता को लेकर अंतिम फैसला नहीं लिया है। भारत और इंग्लैंड के बीच दो जुलाई से दूसरा टेस्ट मैच शुरू होगा।

बुमराह की उपलब्धता चर्चा का विषय

बुमराह की पांचों मैच में उपलब्धता चर्चा का विषय रही है क्योंकि खुद बुमराह और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बात की पुष्टि की थी कि बुमराह इंग्लैंड दौरे पर तीन मैच ही खेलेंगे। लेकिन जिस तरह डस्काटे ने मैच से पहले इस बात की पुष्टि की है कि बुमराह दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे, उससे भारत को राहत मिलेगी जो दूसरे टेस्ट से वापसी करने उतरेगी। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट मैच पांच विकेट से जीता था और वह सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है।

बुमराह का खेलना रहेगा महत्वपूर्ण

पहले टेस्ट मैच में प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने उपयोगी प्रदर्शन नहीं किया था जिसके बाद से बुमराह का इस मैच में खेलना महत्वपूर्ण है। दूसरे टेस्ट मैच से पहले डस्काटे ने प्रेस को संबोधित किया और इस बात की पुष्टि कर दी कि बुमराह एजबेस्टन में खेलने उतरेंगे। डस्काटे ने कहा, जाहिर है कि बुमराह मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। हमें शुरूआत से ही पता है कि वह पांच में से तीन मैच ही खेलेगा। पिछले टेस्ट से लेकर अब तक उन्हें आठ दिनों का आराम मिला है, लेकिन परिस्थिति और कार्यभार को देखते हुए हमें देखना होगा कि अगले चार मैचों में हम किस तरह प्रबंध कर सकते हैं। हमने इस बारे में अभी कोई फैसला नहीं लिया है।

वरुण ने चुनी टी20 की ड्रीम प्लेइंग-11, कोहली-रोहित को किया बाहर

नई दिल्ली। भारत को दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने रविचंद्रन अश्विन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान अपनी ड्रीम टी20 इलेवन का खुलासा किया है। वरुण ने आश्चर्यजनक रूप से, इस इलेवन में विराट कोहली या रोहित शर्मा को शामिल नहीं किया है। उन्होंने ओपनिंग की जिम्मेदारी जोस बटलर और ट्रेविस हेड को दी है। उनकी ड्रीम प्लेइंग-11 में भारत और वेस्टइंडीज के सबसे ज्यादा तीन-तीन खिलाड़ी हैं। वहीं, इस इलेवन में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान और श्रीलंका का एक-एक खिलाड़ी है। वरुण ने इस प्लेइंग-11 में उन्हीं खिलाड़ियों को शामिल किया है, जिनके साथ या खिलाफ वह खेल चुके हैं। महेंद्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी इस सूची में शामिल नहीं हैं।

वरुण की ड्रीम प्लेइंग-11 में बटलर और हेड को ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई, जबकि तीसरे नंबर पर सूर्यकुमार दिख रहे हैं। चौथा स्थान, जो कि विराट का बैटिंग पोजिशन है, उस पर वरुण ने निकोलस पूरन को चुना है। विकेटकीपर के तौर पर वरुण ने हेनरिक क्लासेन को बाकियों पर तरजीह दी। हालांकि, इस टीम में क्लासेन के अलावा बटलर और पूरन भी विकेटकीपिंग कर सकते हैं। हार्दिक पांड्या और आंद्रे रसेल के रूप में उन्होंने दो पेस बॉलिंग ऑलराउंडर्स चुने हैं। स्पिनर के तौर पर वरुण ने सुनील नरेन और राशिद खाद को शामिल किया। वहीं, तेज गेंदबाजी का जिम्मा जसप्रीत बुमराह और मथीशा पथिराना को सौंपा। कुल मिलाकर उनकी टीम संतुलित दिख रही है। नरेन और राशिद के अलावा हेड भी स्पिन बॉलिंग कर सकते हैं। कुल मिलाकर इस टीम में गेंदबाजी के सात विकल्प हैं, जबकि बल्लेबाजी का विकल्प आठ नंबर तक है।

हालांकि, सोशल मीडिया पर फैंस कोहली और रोहित को भी इस टीम में शामिल करने की बात कह रहे हैं। वहीं, कुछ फैंस ने रसेल की जगह रवींद्र जडेजा को शामिल करने की मांग की। इसके अलावा कुछ फैंस यशस्वी जायसवाल और अभिषेक शर्मा की गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाते दिखे। वरुण ने अश्विन के साथ बातचीत में अपनी संघर्ष की कहानी भी सुनाई। साथ ही बताया कि वह कई चीजों में हाथ आजमा चुके हैं और हर बार दिल की सुनी।

शुरूआती जीवन और संघर्ष

वरुण चक्रवर्ती ने बताया कि क्रिकेट में आने से पहले उन्होंने फिल्मों में काम किया था। उन्होंने आर्ट डायरेक्शन टीम में असिस्टेंट के तौर पर काम किया और कभी-कभी फिल्मों में एक्स्ट्रा कलाकार भी बने। वरुण ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उनकी पहली कमाई सिर्फ 879 रुपये थी, जो उन्होंने एक फिल्म शूट के दौरान कमाई थी। वरुण ने कहा कि जब वो क्रिकेट में आए तो उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। उन्होंने बताया कि उनकी सैलरी में लगभग 4200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, वो सिर्फ क्रिकेट की वजह से हूं।' अश्विन ने भी उनकी मेहनत की तारीफ की और कहा कि वरुण का सफर बाकी युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। वरुण ने अंत में कहा, 'कोई भी सपना छोटा नहीं होता। अगर मेहनत और लगन हो, तो जिंदगी कभी भी बदल सकती है।'

मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी के जन्मदिन पर शुभकामनाओं का मेला

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी के जन्मदिन पर उनके समर्थकों, शुभचिंतकों और क्षेत्र के लोगों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। समाज के सभी वर्गों के लोग विधायक अजीत पाल त्यागी को बधाई और शुभकामनाएं देने पहुंचे। सभी ने उनके जन्मदिन पर लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और यशस्वी जीवन की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं और बधाई दी। विधायक अजीत पाल त्यागी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सौंदर्यीकरण के लिए बनाया गया मकनपुर तालाब का ट्रैक बारिश से धंसा

एक माह पहले ही निर्माण कार्य पूरा हुआ था, गुणवत्ता पर उठे सवाल

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के मकनपुर गांव के तालाब सौंदर्यीकरण के लिए बनाए गए ट्रैक दो दिन पूर्व हुए मूसलाधार बारिश में कई जगह से धंसा गया। जिससे उसकी गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। मकनपुर तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए इंटरनेशनल टोबैको कम्पनी लिमिटेड द्वारा लाखों रुपए की कीमत से कार्य किया गया है। एक माह पहले ही तालाब निर्माण कार्य पूरा हुआ है। तालाब में अंदर की ओर से सपोर्टिंग के लिए चारों ओर से तार फेंसिंग का काम लोगों के घूमने के लिए भी ट्रैक तैयार किया गया। जिससे मिट्टी बह कर तालाब में न आ सके। इंजीनियर व ठेकेदार की लापरवाही मकनपुर तालाब के चारों ओर बना ट्रैक बारिश में धंस गया। अंदर की ओर तार फेंसिंग बारिश में गिर गई है। बीते सप्ताह भर से क्षेत्र में हो रही बारिश के कारण व अत्यधिक दबाव होने के कारण विभिन्न जगहों से ट्रैक उखड़ गया। उक्त घटना के बाद निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। वहीं इसमें घोर लापरवाही व भ्रष्टाचार की बात भी सामने आ रही है। लाखों रुपए की लागत से हो रहे निर्माण कार्य में इंजीनियर व ठेकेदार की लापरवाही के साथ ही साथ इंटरनेशनल टोबैको कम्पनी द्वारा निर्माण की मोनिटरिंग ना करना स्पष्ट रूप से लापरवाही को दर्शा रहा है।

क्षेत्रीय पार्षद राधेश्याम त्यागी ने ठेकेदार और कंपनी पर उठाए सवाल

करंट क्राइम। क्षेत्रीय पार्षद राधेश्याम त्यागी ने बताया कि तालाब की गुणवत्ता पर पहले भी कई बार सवाल उठे हैं, लेकिन ठेकेदार व कंपनी के लोग कोई जानकारी नहीं देते हैं। कई दिन से हो रही बारिश के चलते मकनपुर तालाब का ट्रैक कई जगह से धंस गया। और तार फेंसिंग के खंभे भी कई जगह से गिर चुके हैं, इसके लिए संबंधित अधिकारी को भी जानकारी दी है। लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है। लाखों रुपए की कीमत से तालाब का विकास कार्य का काम हुआ है। लापरवाही के चलते गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैंने पहले भी ठेकेदार से बताया था कि इसकी दीवार नीचे से डीसीपी डालकर होनी चाहिए लेकिन ऊपर से ही दीवार खड़ी कर दी जो पहली बारिश में ही पूरा ट्रैक धंस गया और कई जगह से तार फेंसिंग भी गिर गई।

जननायक अखिलेश यादव का 52वां जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी कार्यालय, आरडीसी, गाजियाबाद में मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जननायक अखिलेश यादव के 52वें जन्मदिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन एवं महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक केक काटकर बड़े धूमधाम से जन्मदिवस समारोह मनाया। इस अवसर पर एक विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर नितिन त्यागी, राजन कश्यप, पूर्व एमएलसी राकेश यादव, पूर्व एमएलसी अमरपाल शर्मा, धर्मवीर डबास, रामदुलार यादव, वरिष्ठ सपा नेता नाहर सिंह यादव एडवोकेट, पूर्व महानगर अध्यक्ष जेपी कश्यप, प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग, जिला उपाध्यक्ष प्रवेश बैसोया, परवेज चौधरी, सत्येंद्र शर्मा, पूर्व प्रत्याशी विशाल वर्मा, संजीव चौधरी, गुलाब यादव, मनोज पंडित, मधु चौधरी, राज देवी चौधरी, रमेश यादव एडवोकेट, पुष्पा शर्मा, हारून चौधरी, किरण कालिया, विक्की सिंह, अनीश अली, असलम कुरैशी, ताहिर हुसैन, संदीप प्रधान, जिला अध्यक्ष बाबा साहब वाहिनी वरिष्ठ सपा नेता महेश यादव एडवोकेट, महानगर उपाध्यक्ष नरेश कुमार बत्रा, उम्मीद पहलवान, ललित गुर्जर, अवतार सिंह, शाहबाज खान, आकाश अग्रवाल, अंशु ठाकुर, रोहित माथुर, मनीष त्यागी, प्रदेश सचिव यूथ ब्रिगेड राहुल पंडित कार्यालय प्रभारी आदि लोग उपस्थित रहे।

महानगर कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष नियुक्त किए गए त्रिलोक सिंह

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 1990 के दशक के पूर्व छात्र नेता त्रिलोक सिंह को महानगर कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद का कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। त्रिलोक सिंह की नियुक्ति उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव की संतुति से की गई है। त्रिलोक सिंह 1990 के दशक में राष्ट्रीय छात्र संगठन के शहर अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, सेवादल के महानगर अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दो बार सदस्य, जिला कांग्रेस कमेटी में उपाध्यक्ष, महासचिव प्रवक्ता एवं पूर्व में महानगर कांग्रेस कमेटी में उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी रहे हैं। त्रिलोक सिंह हमेशा सामाजिक न्याय, जातिगत जनगणना, अति पिछड़ों की आवाज पार्टी प्लेटफार्म पर उठाते रहे हैं। त्रिलोक सिंह सामाजिक संस्था भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर शिक्षक एवं जन कल्याण समिति के राष्ट्रीय महासचिव हैं। इस अवसर पर त्रिलोक सिंह ने जननायक राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव का आभार व्यक्त किया है।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

साहिबाबाद, करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का 52वां जन्मदिन मंगलवार को समाजवादी पार्टी शिविर कार्यालय, ज्ञानपीठ केन्द्र 1, स्वरूप पार्क जीटी रोड साहिबाबाद के प्रांगण में समाजवादी चिन्तक, शिक्षाविद राम दुलार यादव के नेतृत्व में धूमधाम से मनाया गया। आयोजन इंजी. धीरेन्द्र यादव ने किया। इस शुभ अवसर पर फल और मिष्ठान का वितरण हुआ। लोगों ने अखिलेश यादव जिंदाबाद के जोरदार नारे लगाते हुए उनके दीर्घायु होने की कामना की तथा 2027 में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बनने की शुभकामना देते हुए बधाई दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षाविद समाजवादी चिन्तक राम दुलार यादव ने कहा कि अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री रहते विकास का कीर्तमान स्थापित किया था, लेकिन आज उत्तर प्रदेश की हालत बदहाल है। अनाचार, अत्याचार, कमजोर वर्गों का शोषण सामंतवादी, वर्चस्ववादी ताकतें करने में कोई संकोच नहीं कर रही हैं। लूट, झूठ और पाखंड चरम सीमा पर है। शिक्षा और चिकित्सा की हालत दयनीय है। प्राइमरी स्कूल बंद होने के कगार पर हैं, हजारों बंद हो चुके हैं। अखिलेश यादव को शुभकामना देते हुए आशा करते हैं 2027 में आप मुख्यमंत्री बन शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में प्रेरणादायक कार्य करेंगे तथा कमजोर वर्गों पर प्रभुवादी ताकतें अत्याचार न करें, ऐसी व्यवस्था करेंगे। बधाई देने वालों में प्रमुख रहे – राम दुलार यादव, हाजी मोहम्मद सलाम, इंजी. धीरेन्द्र यादव, हरिशंकर यादव, सुरेश कुमार भारद्वाज, शिवम पाण्डेय, प्रेम चन्द पटेल, पप्पू सिंह, हरिकृष्ण, ओंकार सिंह, अखिलेश शुक्ल, सुभाष यादव, विक्रम सिंह, शम्भू, अजयवीर, सपन मजुमदार, अनूप मौर्य, अमरनाथ, लल्ला सिंह, आकाश, राधेश्याम, मान सिंह, ऋषिकेश, मुकेश आदि रहे।

अगर चेयर की थी इतनी ही केयर तो बिठा देते वो हमें सामने की चेयर पर

कर को लेकर सारे जनप्रतिनिधि एक हो गये। ये पहली बार था जब मौहल्ले वाले प्रधान से लेकर जिले वाले सांसद पहुंचे। कैबिनेट वाले माननीय पहुंचे तो शहर वाले विधायक पहुंचे। विधायक सांसद नगर निगम सदन के पदेन सदस्य होते हैं। उनका वोट कई बार निर्णायक होता है और ये उनकी एहमियत थी कि 100 पार्षदों वाले सदन में जब बैठक का ऐलान हुआ तो पार्षदों ने इन जनप्रतिनिधियों के यहां पर जाकर यह अनुरोध किया कि वह बैठक में आये और हमारा साथ दें। बैठक में सांसद पहुंचे, विधायक पहुंचे और किस्सा अब चेयर वाला गूंज रहा है। कुर्सी के साईज को लेकर बात बाहर आ गई है। बड़े वाले माननीय जी ने तो कह भी दिया कि अगर इतनी ही केयर थी तो हमें क्यों ऊपर बुला लिया। हम तो सामने वाले कुर्सियों पर पार्षदों के साथ बैठ जाते। बड़े वाले माननीय का वीडियो भी आया है और बताने वाले बता रहे हैं कि उनके लहजे में इस बात को लेकर रंज भी है और तंज भी है। ऑफ्टर ऑल सांसद और विधायकों का भी अपना एक प्रोटोकॉल होता है। कहने वाले कह रहे हैं कि चेयर की इतनी भी केयर नहीं होनी चाहिए।

एक मौहल्ला और चार पार्षदों के विकास का पूरा हल्ला

मौहल्ले वाला सदन भी अजीब शय है। पार्टी ने कुछ को ये सोचकर टिकट दिया था कि ये तो हार ही जायेंगे। मगर दांव कुछ ऐसा पड़ा कि जिनके हिस्से में धूप आनी थी उनके हिस्से में छांव आ गई। जिनकी हार पर उनके घर वालों को भी भरोसा था वो जीत कर आ गये। अब जीत तो जीत है और ये भी सत्य है कि पांच साल तक वो पार्षद ही रहेंगे। मगर मौहल्ले वाले बता रहे हैं कि पार्षदों को अपोजिशन वाले नहीं बल्कि अपने दल वालों से ही ज्यादा खतरे नजर आ रहे हैं। एक वार्ड में चार चार कमल वाले पार्षद नजर आ रहे हैं। एक वो जिसे जनता ने चुना और तीन वो जो स्वयं भू जनसेवक होकर पार्षदी की तैयारी में जुट गये हैं। पार्टी का पार्षद मौहल्ले में मगर ना जी वो तो खुद नाली का प्रस्ताव लेकर नगर जायेंगे। लाईट भी वो पास कराकर लायेंगे और फिर मौहल्ले में घर घर ये बताने भी जायेंगे कि कोई और काम हो तो भाई साहब आप हमें ही बताना।

पार्षद ने कह दिया साफ आरडब्लूए के नखरे मैं नही उठाऊंगा

टैक्स वाले मामले पर पार्षदों ने मोर्चा खोला और फिर कुछ ऐसा हुआ कि इधर से व्यापार मंडल और उधर से आरडब्लूए वाले भी आ गये। किस्सा उस वार्ड को लेकर जुड़ा है जहां आरडब्लूए वालों की दखल से अब पार्षद भी दुखी हो चुके हैं। सीवर वाली टीम आती नहीं कि आरडब्लूए वालों को एक्टिविटी का फीवर चढ़ जाता है। पार्षद प्रस्ताव कुछ देकर आये हैं और आरडब्लूए वाले अपने हिसाब से काम कराना चाहते हैं। सड़क बनेगी तो सबसे ज्यादा मड़क मौके पर पहुंच कर आरडब्लूए वाले दिखायेंगे। सुना है मैम्बर साहब अब ऐंग्री हो गये हैं और उन्होंने साफ कह दिया कि मैं इन आरडब्लूए वालों के नखरे नहीं उठाऊंगा। वो यहां तक कह चुके हैं कि मुझसे लिखवा कर ले लो मैं चुनाव लड़ूंगा तो इन आरडब्लूए वालों के पास वोट मांगने नहीं जाऊंगा।

आज होगी कांवड़ कॉरडीनेशन मीटिंग

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में इन दिनों मीटिंग और कार्य योजनाओं पर जोर दिया जा रहा है। सूत्रों ने बताया है कि मंगलवार को जहां साहब ने आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर कमिश्नरेट वाले अधिकारियों के साथ बैठक की है। तो वहीं कांवड़ यात्रा को लेकर लगातार निरीक्षण और कार्य योजना पर काम चल रहा है। तो पुलिस कमिश्नरेट के सूत्रों से जानकारी मिली है कि बुधवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में दिल्ली और नोएडा पुलिस के प्रमुख अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन मीटिंग है। इस मीटिंग का मकसद आने वाली कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के साथ ही यातायात और कानून व्यवस्था की स्थिति का पालन कराना है। कांवड़ यात्रा वाली इस मीटिंग में पुलिस कमिश्नरेट के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहेंगे। तो दिल्ली पुलिस और नोएडा पुलिस के भी अधिकारी आएंगे। इस मीटिंग का मकसद कॉरडीनेशन बनाना है। तो वही पुलिस कमिश्नेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि इस मीटिंग में बॉर्डर पर ट्रैफिक मैनेजमेंट से लेकर क्राइम कंट्रोल को लेकर भी चर्चा की जाएगी। वही कांवड़ यात्रा के दौरान किसी प्रकार का इंटेलीजेंस फैलियर ना हो, इसको लेकर भी तीनों जिले एक दूसरे को इनफार्मेशन देने का काम करेंगे। बताया जा रहा है कि बुधवार को लाइन में होने वाली इस बैठक में तीनों ही प्रमुख महानगरो के पुलिस अधिकारी यहां वातार्लाप करेंगे। तो वही जलपान भी होगा, बताया जा रहा है कि इस मीटिंग के लिए लाइन वाले डीसीपी साहब को पूरी जिम्मेदारी दी गई है। जिसमें अधिकारियों के सीटिंग अरेंजमेंट से लेकर ब्रीफिंग तक का जिम्मा उनके द्वारा तय किया जाना है। वहीं जलपान में क्या रहेगा, इसकी व्यवस्था भी उन्हीं के ऊपर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार इस बैठक के बाद गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम से कांवड़ यात्रा को लेकर प्लान और फोर्स डेप्लॉयमेंट का पूरा मैप जारी किया जाएगा। तो वही रूट डॉयवर्जन से लेकर ट्रैफिक की अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की जाएगी। उधर कहा जा रहा है कि जिस तरह से कांवड़ यात्रा की नोडल वाली अधिकारी और खुद साहब ने सड़क से लेकर नहर वाले स्थान और जाम वाले प्वाइंट से लेकर जहां पर अभी काम होना है, उन सभी स्थानों का प्रमुखता के साथ निरीक्षण किया है ताकि कांवड़ यात्रा को शासन की मंशा अनुरूप कराया जा सके।

यूएस: छठे दिन में प्रवेश कर गई भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की वार्ता, बढ़ाई गई अधिकारियों के प्रवास की अवधि

वॉशिंगटन । भारत की टीम का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल कर रहे हैं। यह टीम अमेरिका के साथ एक अंतरिम व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए वॉशिंगटन में मौजूद है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत वॉशिंगटन में मंगलवार को छठे दिन में प्रवेश कर गई है। एक अधिकारी ने बताया कि बातचीत अहम मोड़ पर पहुंच चुकी है और भारत अपने श्रम-प्रधान उत्पादों को अमेरिकी बाजार में अधिक पहुंच दिलाने की मांग कर रहा है

अधिकारियों के प्रवास की अवधि बढ़ी

अधिकारियों के अमेरिका प्रवास की अवधि बढ़ा दी गई है। पहले यह प्रतिनिधिमंडल केवल दो दिनों के लिए वहां ठहरने वाला था और वार्ता 26 जून से शुरू हुई थी। यह वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के समय लगाए गए पारस्परिक शुल्क (टैरिफ) की निलंबन अवधि 9 जुलाई को समाप्त हो रही है। दोनों देश इस तारीख से पहले वार्ता को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रस्तावित व्यापार समझौता विफल हुआ तो लगेगा 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ अधिकारी ने कहा, भारत ने अमेरिकी कृषि उत्पादों पर टैरिफ में छूट देने के मामले में अपना रुख सख्त कर लिया है। भारत चाहता है कि उसके श्रम-प्रधान उत्पादों जैसे वस्त्र, इंजीनियरिंग सामान, चमड़ा, रत्न और आभूषण को अमेरिका में टैरिफ में छूट मिले। उन्होंने कहा कि अगर प्रस्तावित व्यापार समझौता विफल होता है, तो 26 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क दोबारा लागू हो जाएगा। दो अप्रैल को अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 26 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया था, लेकिन इसे 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था। हालांकि, अमेरिका का 10 फीसदी मूल टैरिफ अब भी लागू है। भारत इस अतिरिक्त 26 फीसदी टैरिफ से पूरी छूट चाहता है। भारत ने किसी भी देश के लिए नहीं खोला डेयरी क्षेत्र अमेरिका कृषि और डेयरी क्षेत्रों में भी टैरिफ छूट की मांग कर रहा है। लेकिन ये क्षेत्र भारत के लिए संवेदनशील माने जाते हैं, क्योंकि यहां के किसान छोटे भूखंडों पर जीविका के लिए खेती करते हैं। इसी कारण ये क्षेत्र राजनीतिक रूप से भी बेहद संवेदनशील हैं।

मस्क अपनी दुकान बंद कर दक्षिण अफ्रीका लौट जाएं, ट्रंप ने दी टेस्ला की सब्सिडी रोकने की धमकी

वॉशिंगटन । ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल बिल के खिलाफ एलन मस्क लगातार मुखर हैं और बिल का विरोध कर रहे हैं। अब लग रहा है कि ट्रंप के सब्र का भी बांध टूट गया है और अब उन्होंने भी मस्क को धमकी दे डाली है। ट्रंप ने मस्क की कंपनियों को दी जाने वाली सब्सिडी बंद करने की धमकी दी है और कहा है कि मस्क अपनी दुकान बंद करें और दक्षिण अफ्रीका वापस लौट जाएं।

ट्रंप की मस्क की सब्सिडी रोकने की धमकी

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'एलन मस्क को राष्ट्रपति पद के लिए मेरा समर्थन करने से पहले ही पता था कि मैं ईवी जनादेश के खिलाफ हूं। ये बकवास है और मैंने हमेशा अपने अभियान में इसका जिक्र किया। इलेक्ट्रिक कारें ठीक हैं, लेकिन हर किसी पर उन्हें थोपा नहीं जा सकता। एलन मस्क को इतिहास में किसी भी व्यक्ति से ज्यादा सब्सिडी मिल सकती है और सब्सिडी के बिना एलन मस्क को शायद अपनी दुकान बंद करके दक्षिण अफ्रीका वापस लौटना होगा। कोई और रॉकेट लॉन्च, सैटेलाइट या इलेक्ट्रिक कारों का उत्पादन नहीं होगा और हमारे देश का बहुत सारा पैसा बचेगा। सरकारी दक्षता विभाग को इस बारे में गहराई से विचार करना चाहिए।

बहुत सारा पैसा बचाया जाना चाहिए।' ट्रंप का यह पोस्ट ऐसे समय आया है, जब एलन मस्क ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल बिल की तीखी आलोचना की और साथ ही धमकी दी कि जो भी संसद सदस्य बिग ब्यूटीफुल बिल का समर्थन करेंगे उन्हें अगले साल होने वाले प्राइमरी चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है। मस्क ने अपने पोस्ट में लिखा कि 'कांग्रेस का हर सदस्य, जो सरकारी खर्च में कटौती और देश के इतिहास में सबसे ज्यादा कर्ज में इजाफा करने का समर्थन कर रहा है।

गाजा: युद्धविराम की कोशिशों के बीच गाजा में आईडीएफ हमला, 74 की मौत, खाना मांग रहे लोगों पर भी बरसाईं गोलियां

तेल अवीव । एक ओर अमेरिका गाजा में युद्धविराम पर बात करने जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इस्राइली सेना वहां अपने हमले जारी रखे हुए है। सोमवार को आईडीएफ के ताजा हमलों में गाजा में 74 लोग मारे गए। गाजा में अधिकारियों ने बताया कि इस्राइली सुरक्षा बलों ने सोमवार को गाजा में बड़े पैमाने पर जहां हवाई हमले किए वहीं, खाना पाने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोलियां भी बरसाईं। उन्होंने बताया कि आईडीएफ ने हवाई हमलों में समुद्र तट पर स्थित एक कैफे को निशाना बनाया। जहां 30 लोग मारे गए।

मरने वालों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल

जानकारी के मुताबिक, इस्राइली सुरक्षा बलों ने गाजा सिटी के अल-बका कैफे पर तब हमला किया जब महिलाओं और बच्चों की भीड़ थी। अली अबू अतीला, जोकि हमले के समय कैफे में ही थे, उन्होंने बताया कि बिना किसी चेतावनी के आईडीएफ के एक युद्धक विमान ने अचानक हमला कर दिया। हमले के दौरान ऐसा लगा जैसे कि वहां भूकंप आ गया हो। उत्तरी गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय की आपातकालीन और एम्बुलेंस सेवा के प्रमुख फारेस अवाद ने बताया कि इस हमले में कम से कम 30 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं। अवाद ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

जंग के दौरान भी चालू था कैफे गौरतलब है कि आईडीएफ द्वारा निशाना बनाया गया यह कैफे बीते 20 महीनों से जारी जंग के दौरान भी चालू था। लोग यहां इंटरनेट एक्सेस और अपने फोन चार्ज करने के लिए आते थे। इस्राइल के ताजा हमलों के कुछ वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। जिनमें जमीन पर खून से लथपथ और क्षत-विक्षत शव देखे जा सकते हैं, वहीं घायलों को कंबल में ले जाया जा रहा था।

खाना पाने की कोशिश करने वालों पर भी हमला

कैफे के अलावा, गाजा पट्टी में राहत सामग्री पाने की कोशिश कर रहे फलस्तीनी लोगों पर भी इस्राइली सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की। इस हमले में 23 लोग मारे गए। इसके अलावा, शिफा अस्पताल ने बताया कि गाजा शहर की सड़क पर हुए दो अन्य हमलों में 15 लोग मारे गए।

पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर फिर अलापा मध्यस्थता कोर्ट का राग, भारत से की ये अपील

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने एक बार फिर हेग स्थित मध्यस्थता कोर्ट के फैसले का राग अलापते हुए भारत से सिंधु जल संधि का पालन करने की अपील की। हालांकि भारत ने स्पष्ट कर दिया कि उसने इस संधि के विवादों को सुलझाने के मामले में मध्यस्थता कोर्ट के अधिकार को कभी मान्यता नहीं दी है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अलापा सिंधु जल संधि का राग पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा, मध्यस्थता कोर्ट के फैसले से साबित होता है कि सिंधु जल संधि अब भी अस्तित्व में है और भारत को इसका सही भावना से पालन करना चाहिए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, मध्यस्थता कोर्ट ने 27 जून के फैसले में सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान के पक्ष को सही ठहराया है। हम भारत से आग्रह करते हैं कि इस संधि का सामान्य परिचालन तत्काल आरंभ करे और इस संधि के तहत अपनी जिम्मेदारियों को पूर्णता और सच्चाई से पूरा करे।

वहीं, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने सोशल मीडिया पर लिखा, पाकिस्तान मध्यस्थता कोर्ट के पूरक फैसले का स्वागत करता है। यह फैसला इस बात की पुष्टि करता है कि सिंधु जल संधि पूरी तरह वैध है। भारत एकतरफा रूप से इसे स्थगित नहीं कर सकता। राष्ट्रों का आकलन अंतरराष्ट्रीय समझौतों के उनके पालन से किया जाता है। इस संधि को इसकी संपूर्ण भावना के साथ लागू किया जाना चाहिए।

भारत मध्यस्थता अदालत को ठहरा चुका है अवैध

भारत ने बीते शुक्रवार इस पूरक फैसले की आलोचना करते हुए कहा था कि वह इस कोर्ट के अधिकार को मान्यता नहीं देता। भारत ने दो-टूक कहा था कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा और रातले जलविद्युत परियोजनाओं के संबंध में सुनवाई से जुड़ा मध्यस्थता न्यायालय का पूरक अवॉर्ड पूरी तरह निरर्थक है, क्योंकि सिंधु जल संधि-1960 के तहत गठित मध्यस्थता न्यायालय ही अवैध है। भारत ने कभी इसे मान्यता नहीं दी।

श्रीलंकाई नौसेना ने सात भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार, लगाया अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप

नई दिल्ली । श्रीलंकाई नौसेना ने सोमवार रात सात भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके नाव जब्त कर लिए हैं। इन पर श्रीलंका की समुद्री सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप है। यह घटना तलाइमान्नार क्षेत्र में हुई और बीते एक हफ्ते में ऐसा दूसरा मामला है। नौसेना ने मंगलावार को यह जानकारी दी।

रविवार को भी हुई थी गिरफ्तारी

नौसेना प्रवक्ता के अनुसार पकड़े गए मछुआरों और उनके ट्रॉलर को मन्नार में मत्सय निरीक्षणालय को सौंपा जाएगा। इससे पहले रविवार को आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था।

दोनों देशों के बीच मछुआरों का मुद्दा है संवेदनशील भारत और श्रीलंका दोनों देशों के मछुआरों को एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार किया जाता है। यह मछुआरों का मुद्दा दोनों देशों के बीच एक संवेदनशील द्विपक्षीय विषय बन चुका है।

पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी की घटना कई बार श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की है। और द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त भी किया है। पाक जलडमरूमध्य ,जो तमिलनाडु और श्रीलंका को अलग करता है, दोनों देशों के मछुआरों के लिए समृद्ध मछली पकड़ने का क्षेत्र है।

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय पर साइबर अटैक नियंत्रण में हालात 2023 में भी बनाया गया था निशाना

द हेग । इससे पहले 2023 में भी आईसीसी पर साइबर हमला हुआ था। आईसीसी अभी भी 2023 के साइबर हमले के असर से पूरी तरह उबर नहीं पाई है। उनके मुख्यालय में वाई-फाई अब तक पूरी तरह ठीक नहीं हुआ है।

इस बार के हमले पर पाया काबू: अदालत अदालत ने बताया कि इस बार की घटना पर काबू पा लिया गया है, लेकिन यह नहीं बताया कि इसका क्या असर हुआ या हमले के पीछे मकसद क्या था। अदालत ने एक बयान में कहा, 'अदालत-व्यापी प्रभाव विश्लेषण किया जा रहा है और घटना के किसी भी प्रभाव को कम करने के लिए पहले से ही कदम उठाए जा रहे हैं।' यह हमला पिछले सप्ताह हुआ था।

अदालत का कामकाज जारी रखने के लिए किए गए उपाय: अब्दुल्ला अदालत के प्रवक्ता फदी अल अब्दुल्ला ने बताया कि अदालत का कामकाज जारी रखने के लिए सभी जरूरी उपाय किए गए हैं। यह साइबर हमला उस सप्ताह हुआ, जब हेग शहर में एक सम्मेलन केंद्र में 32 नाटो देशों के नेताओं की बैठक हो रही थी, जिसमें साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई थी। उस सम्मेलन में भी बहुत कड़ी सुरक्षा रखी गई थी।

अंतर राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) पर बहुत चालाकी से साइबर हमला किया गया है। सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को अदालत ने कहा कि वह इस हमले से हुए नुकसान को कम करने के लिए जरूरी कदम उठा रही है

पहले भी जासूसी का निशाना बन चुकी है अदालत अदालत ने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या किसी गोपनीय जानकारी से समझौता हुआ है या नहीं। आईसीसी कई देशों में बड़ी और संवेदनशील जांच कर रही है। अदालत पहले भी जासूसी का निशाना बन चुकी है।

2022 में रूसी जासूस की साजिश को किया था नाकाम 2022 में, एक डच खुफिया एजेंसी ने कहा कि उसने एक रूसी जासूस की साजिश को नाकाम कर दिया था, जो एक झूठी ब्राजीलियाई पहचान के साथ अदालत में एक प्रशिक्षु के रूप में काम कर रहा था। यह व्यक्ति यूक्रेन में रूस के युद्ध अपराधों की जांच को प्रभावित करना चाहता था। अदालत ने इस सिलसिले में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ युद्ध अपराध गिरफ्तारी वारंट जारी किया है, जिसमें उन पर यूक्रेन से बच्चों के अपहरण के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी का आरोप लगाया गया है।

बार्सिलोना में टूटा 100 साल पुराना रिकॉर्ड हीटवेव की चपेट में आया यूरोप

पेरिस । यूरोप इस समय जबरदस्त हीटवेव से जूझ रहा है। स्पेन के बार्सिलोना में जून महीने में अब तक का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया है। बार्सिलोना आमतौर पर भीषण गर्मी से बचा रहता है. हालांकि इस बार रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की चपेट में आ गया। यूरोप के कई देशों में भीषण गर्मी के चलते स्कूल बंद हो रहे हैं और लोगों को सावधानी बरतने के लिए कहा जा रहा है।

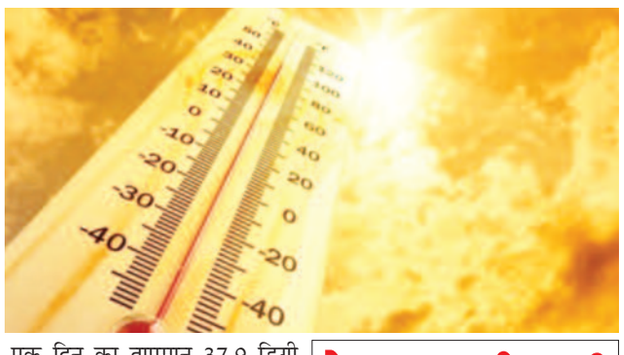

स्पेन की राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, बार्सिलोना में जून 2025 अब तक का सबसे गर्म जून साबित हुआ है। कैन फाबरा वेधशाला में इस बार औसत तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 100 वर्षों में सबसे अधिक है। इससे पहले जून 2003 में 25.6 डिग्री सेल्सियस औसत तापमान था। 30 जून को बार्सिलोना में एक दिन का तापमान 37.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

फ्रांस और यूरोप की बढ़ती गर्मी

फ्रांस सहित पूरे यूरोप में भी भीषण गर्मी का असर दिख रहा है। फ्रांस के मौसम विभाग ने पेरिस समेत कई इलाकों में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। पेरिस में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। भीषण गर्मी के कारण फ्रांस में 1,300 से ज्यादा स्कूल आंशिक या पूरी तरह से बंद कर दिए गए हैं। गर्मी की वजह से एफिल टावर का ऊपरी हिस्सा भी गुरुवार तक बंद कर दिया गया है। इटली-बेल्जियम भी हीटवेव की चपेट में इटली के 27 बड़े शहरों में से 17 शहरों में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। बेल्जियम और नीदरलैंड्स में भी तापमान सामान्य से काफी ज्यादा बना हुआ है। वहीं पुर्तगाल में कुछ इलाकों में तापमान थोड़ा कम हुआ है लेकिन आंतरिक हिस्सों में अब भी 43 डिग्री तक गर्मी दर्ज की जा रही है। जंगलों में आग का खतरा बढ़ा फ्रांस के मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि लगातार गर्मी और जून में बारिश की कमी के कारण जमीन पूरी तरह से सूख गई है, जिससे जंगलों में आग लगने का खतरा काफी बढ़ गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर यही स्थिति रही तो 2100 तक फ्रांस हर साल 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान का सामना करेगा और हर साल भीषण हीटवेव देखने को मिलेगी।

रेड अलर्ट जारी

थाईलैंड में लिखी जा रही पुरानी पटकथा, पिता की तरह शिनावात्रा की भी जा सकती है सत्ता

बैंकॉक । थाईलैंड में प्रधानमंत्री पेतोंगतार्न शिनावात्रा को संवैधानिक अदालत ने निलंबित कर दिया है। इस कदम के बाद ऐसा लग रहा है कि थाईलैंड में एक बार फिर से पुरानी पटकथा लिखी जा रही है और एक साल पहले सत्ता में वापसी करने वाला शिनावात्रा परिवार एक बार फिर समय से पहले ही सत्ता से बाहर होने के कगार पर है। पेतोंगतार्न शिनावात्रा, थाईलैंड के प्रतिष्ठित शिनावात्रा परिवार से ताल्लुक रखती हैं और उनके पिता थाकसिन शिनावात्रा और चाची यिंगलुक शिनावात्रा भी पूर्व में थाईलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

पिता और चाची को भी सत्ता से किया गया था बेदखल हालांकि साल 2006 में सेना के तख्तापलट से थाकसिन शिनावात्रा को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। वहीं यिंगलुक शिनावात्रा को साल 2014 में अदालत के आदेश के बाद पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था। अब वैसी ही कुछ स्थिति पेतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ बन रही हैं। पेतोंगतार्न की एक ऑडियो बातचीत लीक हो गई है, जिससे थाईलैंड में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। लीक ऑडियो में पेतोंगतार्न शिनावात्रा कंबोडिया के वरिष्ठ नेता हुन सेन के साथ बातचीत करती सुनाई दीं। इस बातचीत को थाईलैंड के हितों और देश की छवि को धूमिल करने के तौर पर देखा जा रहा है। यही वजह है कि लीक ऑडियो की वजह से पेतोंगतार्न को भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

पेतोंगतार्न की सरकार के काम से खुश नहीं लोग

पेतोंगतार्न की सरकार के पास वैसे भी अपनी उपलब्धि के तौर पर बताने के लिए कुछ नहीं है। भांग के सेवन पर भी सरकार बैन लगा चुकी है। विरोधी पेतोंगतार्न के फैसलों को जल्दबाजी और बिना स्पष्ट सोच वाले बता रहे हैं। साथ ही न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने, सामाजिक कल्याण योजनाओं में सीधे पैसे देने और कैसिनो को लेकर विवादित कानून को रोकने जैसे मुद्दे हैं, जिनके कारण पेतोंगतार्न की पार्टी को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका के साथ टैरिफ के मुद्दे पर बातचीत में भी देरी के आरोप लग रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पेतोंगतार्न का नेतृत्व प्रभावित करने में विफल रहा है और लीक ऑडियो पर हंगामे के बीच उन्होंने इस्तीफा देने से भी इनकार कर दिया था।

NAME CHANGED

I,Pradeep Kumar S/O Nem Chand Jain R/O 14A/636, Vasundhara, Ghaziabad, have changed my name to Pradeep Kumar Jain for future purposes.

सोनभद्र में दिनेश कुमार गोयल सभापति ने परियोजनाओं का निरीक्षण किया

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सोनभद्र कलेक्ट्रेट में मंगलवार को दिनेश कुमार गोयल, सभापति प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था संबंधी जांच समिति भ्रमण के दौरान सर्किट हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर के पश्चात समिति के सदस्यों के साथ एवं मिलकर सोनभद्र में ओबरा तापीय परियोजना भारत वर्ष की प्रथम 200 मेगावाट ईकाई का निरीक्षण किया गया व ओबरा तापीय परियोजना के अधिकारियों ने इस सम्बन्ध में जानकारी दी। इसके साथ ही सोनभद्र में विश्व का अजूबा एवं हिन्दुस्तान का अमूल्य धरोहर फासिल्स का भी भ्रमण किया गया। इस मीटिंग के दौरान सभापति दिनेश कुमार गोयल के साथ विजय बहादुर पाठक, डॉ. रतन पाल सिंह, जितेन्द्र सिंह सेंगर सदस्यगण विधान परिषद व जिलाधिकारी, चीफ विद्युत विभाग व विद्युत विभाग से सम्बन्धित सभी उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

गाजियाबाद के खिलाड़ी ने पैरा आर्म रेसलिंग में जीता सिल्वर मेडल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। केरल के शहर त्रिशूर में आयोजित नेशनल आर्म रैसलिंग एवं पैरा आर्म रैसलिंग प्रतियोगिता में गाजियाबाद के उज्ज्वल पंडित ने 55 किलो ग्राम भार वर्ग में क्वालीफाई कर सिल्वर मेडल हासिल किया। गरिमा गार्डन निवासी उमाशंकर शर्मा के पुत्र उज्ज्वल पंडित ने अपने प्रतिद्वंद्वी को मात देकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में देश भर के करीब 500 खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता खेलो इंडिया खेलों के तहत आयोजित की गई थी । 28 जून से 2 जुलाई तक आयोजित प्रतियोगिता में गाजियाबाद के उज्ज्वल पंडित ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। नेशनल आर्म रेसलिंग एवं पारा आर्म रैसलिंग के सचिव ने उज्ज्वल पंडित को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

दो दुकानों में लगी आग, दमकल की 3 गाड़ियों ने आग पर पाया काबू कपड़े और टेलरिंग का सामान जला

गाजियाबाद करंट क्राइम। कोतवाली थाना क्षेत्र के दिल्ली गेट स्थित चौपला मंदिर इलाके में दो दुकानों में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल विभाग ने तुरंत 3 गाड़ियां मौके पर भेजीं। दमकल कर्मियों ने दुकान का शटर खोलकर होजरील और हौज पाइप की मदद से आग बुझाने का काम शुरू किया। अग्नि शमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि दोनों दुकानों में कपड़े और टेलरिंग का सामान रखा था। दमकल कर्मियों ने दुकान के अंदर जाकर आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, दुकानों में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

डॉक्टर्स डे पर एसएस पैथ लैब एंड डायग्नोस्टिक सेंटर ने डॉक्टरों को केक काटकर किया सम्मानित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। डॉक्टर्स डे के अवसर पर मंगलवार को एसएस पैथ लैब एंड डायग्नोस्टिक सेंटर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केक काटकर डॉक्टर्स डे मनाया गया और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में डॉक्टरों के योगदान को सराहा गया।

लैब के संचालक और कर्मचारियों द्वारा उपस्थित चिकित्सकों को फूल माला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने डॉक्टरों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे न केवल जीवन रक्षक होते हैं, बल्कि समाज में भरोसे और सेवा का प्रतीक भी हैं। इस अवसर पर डॉ. सोनू मावी (एमडी), डॉ. परवेज अहमद सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने केक काटकर डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं दीं और टीम भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

एसएस पैथ लैब के निदेशक डॉ सागर कश्यप (एमबीबीएस, एमडी) ने कहा कि यह दिवस हमें उन सभी डॉक्टरों के प्रति आभार प्रकट करने का अवसर देता है जो निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे रहते हैं।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा की

दिव्यांगजन भरण-पोषण अनुदान योजना और कुष्ठावस्था पेंशन योजना के तहत लाभार्थियों को सहायता पहुंचाने के निर्देश

लखनऊ, करंट क्राइम। प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने मंगलवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की।

बैठक में मंत्री ने दोनों विभागों की योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक हर हाल में पहुंचे, इसके लिए प्रचार-प्रसार को और प्रभावी बनाया जाए। मंत्री कश्यप ने कहा कि दिव्यांगजन भरण-पोषण अनुदान योजना एवं कुष्ठावस्था पेंशन योजना के माध्यम से दिव्यांगजनों को निरंतर आर्थिक सहायता दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में लगभग 11 लाख दिव्यांगजनों को पेंशन सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है। इसी तरह कुष्ठावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत 12,000 से अधिक लाभार्थियों को पेंशन की धनराशि प्राप्त हो चुकी है।

कृत्रिम अंग योजना के तहत लगभग 16,000 दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण की तैयारी

करंट क्राइम। कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत लगभग 16,000 दिव्यांगजनों को चिन्हित कर लिया गया है, जिन्हें जल्द ही उपकरण वितरित किए जाएंगे। मंत्री ने निर्देशित किया कि चिन्हित लाभार्थियों को समयबद्ध ढंग से उपकरण उपलब्ध कराए जाएं।

प्रत्येक जिले में 10 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल वितरित करने का लक्ष्य

करंट क्राइम। निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल योजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रत्येक जनपद को 10 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल वितरित करने का लक्ष्य है। उन्होंने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर वितरण की कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए।

पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं, शादी अनुदान, छात्रवृत्ति और कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना की भी समीक्षा की गई

करंट क्राइम। दिव्यांग व्यक्ति प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत विवाह करने वाले दिव्यांगजनो को लाभ दिलाने हेतु लंबित आवेदनों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। शल्य चिकित्सा अनुदान योजना पर चर्चा करते हुए मंत्री ने कहा कि इस योजना में प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष बजट की व्यवस्था हेतु आवश्यक कार्रवाई शीघ्र की जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय से सहायता मिल सके। बैठक के दौरान मंत्री ने पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने शादी अनुदान योजना, छात्रवृत्ति योजना और कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना की प्रगति का ब्योरा लेते हुए इन योजनाओं के लाभ को अधिकतम पात्र युवाओं तक पहुंचाने के लिए निर्देशित किया।

कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के लिए 35 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं और 14 जुलाई 2025 तक आवेदन आमंत्रित हैं

करंट क्राइम। कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु 35 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। अब तक इस योजना के लिए 8,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस योजना का जनजागरण अभियान चलाकर प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि तकनीकी दक्षता बढ़े और रोजगार के अवसर मिल सकें। मंत्री ने यह भी अवगत कराया कि इस योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 14 जुलाई 2025 है। शादी अनुदान योजना के अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 74,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश मंत्री द्वारा दिए गए। मंत्री ने पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति तथा शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं के अंतर्गत छात्रों को समय पर सहायता राशि प्रदान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समयबद्ध छात्रवृत्ति वितरण से विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने में सुविधा होती है और योजना की उपयोगिता भी सिद्ध होती है।

एक घंटे में दो महिलाओं की चेन लूट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद में सोमवार रात बाइक सवार बदमाशों ने एक घंटे के अंतराल में दो महिलाओं की चेन लूट ली। दोनों महिलाएं अपने पतियों के साथ शादी की सालगिरह मनाने आई थीं।

पहली वारदात जीटी रोड स्थित महारानी रेस्तरां के बाहर हुई। मॉडल टाउन की रहने वाली सविता त्यागी अपने पति राजेंद्र प्रसाद त्यागी के साथ रेस्तरां में डिनर कर रही थीं। रात करीब 10:45 बजे जब वे बाहर निकले, तब बाइक सवार दो बदमाश सविता के गले से सोने की चेन छीनकर भाग गए। दूसरी घटना कविनगर में आपका भवन के पास हुई। दिल्ली के यमुना विहार से आई सुधा और उनके पति बृजेश कुमार सिंह शादी की सालगिरह समारोह में शामिल होने जा रहे थे। गाड़ी पार्क करने के बाद जैसे ही वे भवन की तरफ बढ़े, दो बाइक सवार युवकों ने सुधा की चेन छीनकर फरार हो गए।

पीड़ितों ने कोतवाली और कविनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कॉलेज प्रबंधक ने बिजली मिस्त्री को पीटा

नोएडा (करंट क्राइम)। कॉलेज प्रबंधक और उसके दो साथियों ने बिजली मिस्त्री को लाठी-डंडों से पीट दिया। पीड़ित की पत्नी सुमन की शिकायत पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना 21 जून को शुरू हुई, जब जुनेदपुर गांव के कॉलेज प्रबंधक सुबोध नागर ने रोशनपुर गांव निवासी बिजली मिस्त्री राजेश को अपने घर बुलाया। राजेश ने शाम को काम करने की बात कही। इस पर सुबोध ने उन्हें लात-घूंसों से पीट दिया। सोमवार शाम को राजेश जब गांव में एक घर में बिजली का काम करने जा रहे थे। रास्ते में सुबोध, उसका भतीजा सागर और अनिल विधूड़ी ने उन पर हमला कर दिया। आरोपी राजेश को लहूलुहान हालत में छोड़कर भाग गए। पति के घर न लौटने पर सुमन ने तलाश किया। उन्हें राजेश रास्ते में बेहोश पड़े मिले। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने नोएडा जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

भारत मंडपम में संतोष डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का 13वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। संतोष डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के मेडिकल छात्रों के लिए प्रतिष्ठित 13वां वार्षिक दीक्षांत समारोह भारत मंडपम में आयोजित किया गया , जिसमें स्नातक छात्रों की उपलब्धियां का जश्न मनाया गया। बड़े उत्साह के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति, संकाय सदस्य, छात्र और उनके परिवार के सदस्य शामिल हुए और स्नातक छात्रों की शैक्षणिक उत्कृष्टता और व्यावसायिक प्रतिबद्धता का सम्मान किया गया। इस दीक्षांत समारोह में स्नातकों और अकादमिक शैक्षणिक ने यूजीसी के दिशा निर्देशों के अनुसार खादी के वस्त्र पहने। शैक्षणिक रैली कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत भाषण और दीप प्रज्वलन से हुई।

प्रसिद्ध चिकित्सा शिक्षाविद डॉक्टर अविनाश निवृत्ति सुपे को डॉक्टर ऑफ साइंस डीएससी (ऑनोरिस कासा) की उपाधि प्रदान की और उसके बाद डिग्री प्रदान की गई। स्वास्थ्य सेवा पैसे करो के मूल्य और जिम्मेदारियां को बनाए रखने के लिए स्नातकों ने हिप्पोक्रेटिक शपथ ली। मुख्य भाषण मुख्य अतिथियों प्रोफेसर डॉक्टर विवेक साहू कुलपति भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया जिन्होंने 25 मेधावी छात्रों को उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए 31 शैक्षणिक उत्कृष्ट पुरस्कार भी प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. अलका अग्रवाल डीन संतोष मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ने भावी डॉक्टर्स के लिए यह संदेश दिया कि स्वास्थ्य सेवा पेशावर की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा जिन्होंने कौशल और करुणा के साथ समाज की सेवा करने के लिए अपने समर्पण की देना चाहिए । इस कार्यक्रम में मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ अल्पना अग्रवाल व हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉ मनीष सभरवाल उपस्थित रहे । संतोष डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी 30 सालों से अपनी शिक्षा प्रदान कर रही है ।

ट्रोनिका सिटी पुलिस ने किए 2 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

लोनी, करंट क्राइम। पुलिस टीम थाना ट्रॉनिका सिटी द्वारा द्वारा 30.06.2025 2 अभियुक्तगण 1. लक्की राघव पुत्र प्रवीण राघव निवासी खानपुर जसी थाना ट्रोनिका सिटी गाजियाबाद उम्र करीब 20 वर्ष 2. अमन उर्फ हरन पुत्र जाकिर निवासी बसंत विहार खानपुर गेट के पास रामपार्क थाना ट्रोनिका सिटी गाजियाबाद उम्र करीब 19 वर्ष को फातिमा मस्जिद के पास चौकी क्षेत्र रामपार्क से गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से चोरी का 1 छोटा हाथी/टैम्पो बरामद हुआ । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । अभियुक्तों के विरूद्ध थाना ट्रोनिका सिटी पर उक्त वाहन चोरी व बरामदगी के संबंध में 1 अभियोग पंजीकृत है । अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है ।

पुलिस ने साइबर फ्रॉड में ठगे गए 9 हजार रुपये वापस दिलाए

लोनी, करंट क्राइम। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को साइबर सेल थाना ट्रोनिका सिटी कमिश्नरेट गाजियाबाद की टीम द्वारा आवेदिका कुमारी मोहिनी निवासी पूजा कालोनी थाना ट्रोनिका सिटी कमिश्नरेट गाजियाबाद के साथ हुए साइबर फ्रॉड में ठगी गई कुल धनराशि 9 हजार रुपए को आवेदिका को वापस कराया गया। साइबर सेल थाना ट्रोनिका सिटी गाजियाबाद को एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से कुमारी मोहिनी निवासी पूजा कालोनी थाना ट्रोनिका सिटी कमिश्नरेट गाजियाबाद के साथ 9 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी से सम्बन्धित शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस पर साइबर सेल थाना ट्रोनिका सिटी कमिश्नरेट गाजियाबाद की टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए आवेदिका के साथ हुई ऑनलाइन ठगी की धनराशि को होल्ड कराया गया। अथक प्रयासों के बाद दिनांक 01.07.2025 को आवेदिका के साथ हुई साइबर फ्रॉड की धनराशि को बैंक से पत्राचार कर वापस कराया गया।

नोएडा प्राधिकरण ने मुक्त कराई 15 करोड़ की जमीन

नोएडा (करंट क्राइम)। नोएडा में सोरखा गांव में पशुचर की जमीन पर अवैध निर्माण किया गया था। नोटिस जारी करने के बाद भी निर्माण को न तो हटया गया और न ही जवाब दिया गया। वर्क सर्किल-6 की टीम ने जेसीबी की मदद से यहां अभियान चलाया। अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। इस जमीन की कीमत करीब 15 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। अवैध निर्माण कताओं को चेतावनी दी गई कि दोबारा ऐसा नहीं होना चाहिए। तार से फेंसिंग कराई जा रही है। 4 हजार वर्गमीटर है एरिया प्राधिकरण ने बताया कि सोरखा गांव में खसरा नंबर 373 पशुचर की जमीन है। साथ ही प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन है। निगरानी का काम प्राधिकरण का है। यहां कमरा और प्लाट के चारो ओर बाउंड्री और गेट बना दिया गया था। प्लाट का एरिया करीब 4 हजार वर्गमीटर है। इस जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए सर्किल-6 की अगुवाई में एक टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने प्लाट पर बने पक्के निर्माण को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया। इस दौरान वहां कुछ लोग पहुंचे। पुलिस बल ने उनको शांत कराया और दस्तावेज दिखाए। 30 मिनट में निर्माण ध्वस्त करीब आधे घंटे में अवैध निर्माण ध्वस्त किया गया। जिसके बाद टीम वापस आ गई। प्लाट के चारो ओर पिलर लगाकर फेंसिंग कराई जा रही है।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने 'अंकुश समिति' के समक्ष प्रस्तुत की प्रगति रिपोर्ट

समिति को प्राधिकरण द्वारा संचालित व प्रस्तावित कार्यों से भी कराया अवगत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की प्राधिकरणों, आवास विकास परिषद, जिला पंचायत, नगर निगमों में व्याप्त अनियमितताओं पर अंकुश लगाने और जांच किए जाने के लिए शासन की समिति के पदाधिकारियों के द्वारा गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद जिले के संबंधित अधिकारियों के साथ गौतमबुद्धनगर स्थित विश्वविद्यालय परिसर के सभागार कक्ष में बैठक की गई। समिति के सभापति बृजेश कुमार सिंह 'प्रिन्सू' और समिति के दूसरे सदस्यों के समक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स के द्वारा प्राधिकरण से जुडे प्रश्नों का उत्तर दिया गया।

इस दौरान प्राधिकरण उपाध्यक्ष के द्वारा अवगत कराया गया कि प्राधिकरण से जुड़े तमाम प्रकरणों का निस्तारण कर दिया गया है व उसकी रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत की गयी। प्राधिकरण के द्वारा किए जाने वाले कार्यों को विस्तारपूर्वक समिति पदाधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके साथ-साथ हाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गाजियाबाद आगमन पर विधिवत शुभारम्भ किए 'पहल' पोर्टल की प्रगति से भी अवगत कराया गया।

चिन्टू जी (AI वाले)

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पेड़ केवल पर्यावरण का ही संदेश नहीं देते हैं। पेड़ के जरिए हम अपने बुजुर्गों को परिजनों को भी श्रद्धांजलि दे सकते हैं। राजेश सोम एक पेड़ अपनी मां के नाम समर्पित किया। उन्होंने अपनी मां के नाम एक पौधा लगाया। मां और पर्यावरण दोनों के प्रति अपनी भावनाओं को उन्होंने फेसबुक पर भी अपनी पोस्ट के जरिए साझा किया। राजेश सोम की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।